RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 मैं यहां जीतने आई थी...

वर्ष : 26 | अंक : 224 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 05 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

काला सोमवार

बाजार में गिरावट की वजह

- इजरायल-ईरान में तनाव
- अमेरिका में मंदी की आहट
- बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरें बढ़ाई

शेयर बाजार में भूचाल

10 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार के लिए हफ्ते का पहला दिन सोमवार काला साबित हुआ है। शेयर मार्केट में बीते सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बड़ी गिरावट आई थी और तमाम बड़ी कंपनियों के शेयर ताश के पत्तों की तरह बिखर गए थे। अमेरिका में मंदी की आहट से इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया था। अब सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार भी 'ब्लैक मंडे' नजर आ रहा है। जहां प्री-ओपन में सेंसेक्स और निफ्टी भरभराकर टूटे हैं, तो वहीं बाजार खुलने के साथ ही Sense&-Nifty धड़ाम हो गए। बीएसई का सेंसेक्स 80,000 के नीचे ओपन हुआ। शेयर बाजार में आए भूचाल के चलते निवेशकों का कुछ ही मिनटों में 10 लाख करोड़ रूपया डूब गया है।

सोमवार को शेयर बाजार खुलते ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स इंडेक्स अपने पिछले बंद की तुलना में बुरी तरह से टूटकर 1200 अंक की गिरावट के साथ 79,700.77 पर ओपन हुआ, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी-50 ने भी 424 अंक की गिरावट के साथ कारोबार शुरू किया। इससे पहले बीते शुक्रवार को भारतीय शेयर मार्केट में सुनामी जैसा नजारा देखने को मिला था। BSE Sense& 885.60 अंक या 1.08 % गिरकर 80,981.95 अंक पर बंद हुआ था। जबकि Nifty 50 की बात करें तो यह 293.20 अंक टूटकर 24,717.70 लेवल पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार में आई गिरावट के पीछे 3 प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। पहला इजरायल और ईरान के बीच छाए युद्ध के बादल, दूसरा बैंक आफ जापान द्वारा ब्याजदरों को बढ़ाया जाना और तीसरा अमेरिका में मंदी की आहट बताया जा रहा है।

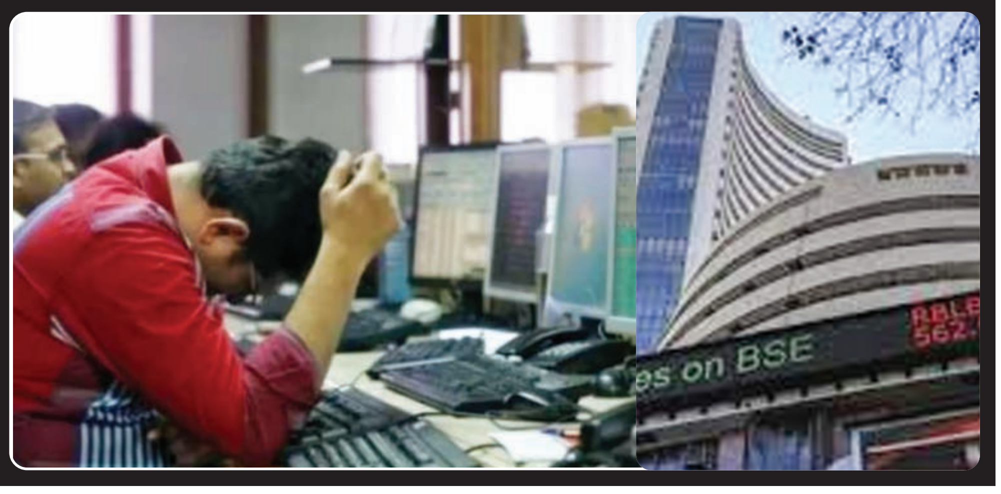

अयोध्या गैंग रेप पर सियासी पारा चढ़ा

उप चुनाव से पहले भाजपा की बड़ी साजिश : अखिलेश

लखनऊ (ब्यूरो)। अयोध्या गैंग रेप मामले में सियासी पारा चढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस मामले को लेकर गठित की गई कमेटी ने अपनी रिपोर्ट बीजेपी आलाकमान को सौंप दी है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले में भाजपा पर आरोप लगाया है कि यूपी में उपचुनाव से पहले भाजपा साजिश रच रही है। अखिलेश ने भाजपा पर आरोप लगाया कि मुसलमानों के प्रति उसकी सोच अलोकतांत्रिक है।

मीडिया से बातचीत करते हुए अयोध्या गैंगरेप मामले पर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा चुनाव से पहले साजिश शुरू करना चाहती है। इनका मकसद पहले दिन से ही समाजवादियों को बदनाम करना रहा है और खासतौर पर मुसलमानों को लेकर इनकी सोच अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। अगर कोई 'योगी' लोकतंत्र, संविधान में विश्वास नहीं रखता तो वो 'योगी' नहीं हो सकता। मैं आपको 3 घटनाओं का उदाहरण देना चाहता हूं। पहली घटना हाथरस की है जिसमें भाजपा विधायकों और नेताओं ने एक साधु के कार्यक्रम की अनुमति के लिए लिखा था। लेकिन प्रशासन ने ठीक से इंतजाम नहीं किए और नतीजा ये हुआ कि बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। दूसरी बात, आपने गोमतीनगर में देखा होगा, पुलिस ने पूरी लिस्ट दी थी लेकिन सीएम और भाजपा की सरकार चाहती है कि पुलिस भाजपा की कार्यकर्ता बन जाए। जब पुलिस ने सभी नामों की लिस्ट दी तो सीएम ने सिर्फ यादवों और मुसलमानों का नाम क्यों लिया? जिस यादव का नाम लिया गया, सुनने में आ रहा है कि वो कैमरे की फुटेज में नहीं था।

उन्होंने कहा कि वो चाय पीने गए थे और पुलिस को एक यादव मिला, इसलिए उन्हें जेल भेज दिया गया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि ऐसे लोग जो कानून का उल्लंघन कर रहे हैं और भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं, जब भी (सपा) सरकार आएगी, ऐसे अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। और तीसरा उदाहरण अयोध्या का है। ये इनका (यूपी सरकार का) संशोधित कानून-2023 है जिसमें कहा गया है कि अगर किसी को 7 साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान है तो डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए, तो इस मांग में गलत क्या है और उनके परिवार वाले भी कह रहे हैं और पुलिस सच्चाई जानती है। चाहे वो कितना भी कुछ कर लें, जनता को उनसे कोई उम्मीद नहीं है।

पीड़ित किशोरी लखनऊ रैफर

लखनऊ ब्यूरो। अयोध्या गैंग रेप मामले में पीड़ित किशोरी को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज के लिए रैफर कर दिया गया है। पीड़ित किशोरी गर्भवती है और उसका इलाज इन दिनों अयोध्या में चल रहा था।

आरोपी को सख्त सजा मिले : अवधेश प्रसाद

"अयोध्या गैंगरेप मामले पर फैजाबाद (अयोध्या) सांसद अवधेश प्रसाद का कहना है यह घटना बेहद शर्मनाक है। समाजवादी पार्टी पीड़िता के साथ खड़ी है। जो भी आरोपी है उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, आरोपियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। पार्टी ने एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर उसे जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट देने को कहा है, रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। समाजवादी पार्टी मांग करती है कि सरकार पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराए और उन्हें कम से कम 20 लाख रुपये दे।

सुप्रीम कोर्ट से यादव सिंह को राहत, अग्रिम जमानत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएडा प्राधिकरण के चर्चित पूर्व चीफ इंजीनियर यादव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में सीबीआई द्वारा नई गिरफ्तारी से बचा लिया है और अग्रिम जमानत की मंजूरी दे दी है। जस्टिस हृषिकेश रॉय की अध्यक्षता वाली पीठ ने यादव सिंह को यह जमानत दी है। इस मामले की अगली सुनवाई अगले हफ्ते होगी।

आपको बता दें कि इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमाधारी यादव सिंह ने 1980 में जूनियर इंजीनियर के तौर पर नोएडा अथॉरिटी में नौकरी शुरू की थी। 1995 में प्रदेश में पहली बार जब मायावती सरकार आई तो 1995 में 19 इंजीनियरों के प्रमोशन को दरकिनार कर सहायक प्रोजेक्ट इंजीनियर के पद पर तैनात यादव सिंह को प्रोजेक्ट इंजीनियर के पद पर प्रमोशन दे दिया गया। साथ ही उन्हें डिग्री हासिल करने के लिए तीन साल का समय भी दिया गया था।

इसके बाद 2002 में यादव सिंह को नोएडा में चीफ मेंटिनेंस इंजीनियर (सीएमई) के पद पर तैनाती मिल गई। अगले नौ साल तक वे सीएमई के पद पर ही तैनात रहे, जो प्राधिकरण में इंजीनियरिंग विभाग का सबसे बड़ा पद था। इस वक्त तक अथॉरिटी में सीएमई के तीन पद थे। यादव सिंह इससे संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कई पद खत्म कराकर अपने लिए इंजीनियरिंग इन चीफ का पद बनवाया। मायावती सरकार में यादव सिंह की तूती बोलती थी। यादव सिंह ने नौकरी के दौरान करोड़ों रूपये की संपत्ति बनाई। ज्यादातर कंपनियों का मालिकाना हक उनकी पत्नी कुसुमलता, बेटे सनी और बेटियों करूणा और गरिमा के पास है।

अगवा किशोरी हुई गर्भवती पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव से अगवा हुई किशोरी को पुलिस ने ढूंढ लिया है। किशोरी को उसके रिश्ते में मामा लगने वाले युवक ने अगवा किया था। इस दौरान किशोरी गर्भवती हो गई है। पुलिस ने इस मामले में बलात्कार की धारा जोड़ते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना सेक्टर-39 के पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि 30 जून को एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी (14 वर्षीय) नाबालिक बेटी घर से लापता है। महिला के अनुसार उसकी बेटी घर से कपड़े सिलवाने को कहकर निकली थी। लेकिन घर नहीं लौटी थी। मामले की जांच कर रही पुलिस ने एक सूचना के आधार पर किशोरी को सेक्टर-37 बस स्टैंड के पास से बरामद किया है। उन्होंने बताया कि उसे अगवा करने वाले सौरव को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने किशोरी के साथ बलात्कार करने की बात स्वीकार की है। किशोरी का डाक्टरी परीक्षण करवाया गया तो पता चला कि वह गर्भवती है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया जहां से कोर्ट ने उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

सेल्समैन से बदमाशों ने लूटी बाइक

नोएडा (चेतना मंच)। किताब बेचने का काम करने वाले एक सेल्समैंन से थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन लूट लिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाने में सर्फाबाद गांव में रहने वाले सुमेश कुमार पुत्र गणेश चंद्र मूल निवासी जनपद गढ़वाल उत्तराखंड ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी प्रतीक लॉरिअल सोसायटी के पास दो बदमाशों ने उन्हें रोका तथा उसकी मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पीड़ित के अनुसार पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने में आनाकानी की तथा काफी दिनों बाद लूट की घटना को चोरी की धारा में दर्ज किया है। पुलिस ने पीड़ित से तहरीर बदलवाई तथा यह लिखवा लिया कि वह होटल पर खाना खाने गया था तभी बदमाश उसकी बाइक और मोबाइल फोन चोरी कर ले गए।

मजदूर यूनियनों का आक्रोश फूटा, योगी सरकार के खिलाफ 9 अगस्त को प्रदर्शन

मजदूरों के खिलाफ काला कानून ला रही है प्रदेश सरकार : आर.पी. सिंह चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कारखाना अधिनियम संशोधन कानून के जरिए मजदूरों को 8 घंटे के बजाय 12 घंटे काम करने की अनिवार्यता के विरोध में सभी मजदूर व मजदूर यूनियनों में आक्रोश है। इसको लेकर 9 अगस्त को विरोध दिवस मनाया जाएगा तथा मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

यह निर्णय हिन्द मजदूर सभा के कार्यालय पर हुई बैठक में लिया गया। बैठक में लिए गए प्रस्ताव में कहा गया कि उत्तर प्रदेश में कॉर्पोरेट घरानों के पूंजी निवेश को आकर्षित करने और उत्तर प्रदेश की इकोनॉमी को 1 ट्रिलियन डालर बनाने के नाम पर उत्तर प्रदेश सरकार मजदूरों को आधुनिक गुलामी की ओर धकेलने में लगी है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

घरेलू नौकरानी ने की चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के एक घर में काम करने वाली नौकरानी ने घर की अलमारी का ताला तोड़कर वहां पर रखे 82 हजार रुपए नकद और लाखों रुपए कीमत की जेवरात चोरी कर ली है। इस संबंध में एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना बीटा-2 पुलिस के मुताबिक प्रीति शुक्ला निवासी एल्डीको रेजिडेंसी ग्रीन सोसायटी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली हारून बीवी उर्फ गुड़िया ने उनके घर की आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे हुए 82 हजार रुपए नकद और लाखों रुपए कीमत की जेवरात चोरी कर ली है। पीड़िता के अनुसार वह तथा उसके पति किसी काम से घर से बाहर गए थे, इसी बीच उनकी घरेलू सहायिका ने उक्त घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भगवान परशुराम की मूर्ति खंडित करने पर ब्राह्मण समाज में आक्रोश

सीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा

नोएडा (चेतना मंच)। दादरी कोतवाली क्षेत्र के तहत गांव गुलावठी खुर्द में भगवान परशुराम की मूर्ति दोबारा खंडित किए जाने के खिलाफ ब्राह्मण समाज में आक्रोश व्याप्त है। आज असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी को लेकर ब्राह्मण समाज महासंघ (रजि.) ने सेक्टर-19 स्थित नगर मजिस्ट्रेट पर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

सौंपे ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा तथा राष्ट्रीय महामंत्री लोकेश त्रिपाठी ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

68 चौराहों पर बनेंगे अत्याधुनिक आइलैंड!

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के चौराहे भी अब मुंबई तथा बेंगलुरू की तर्ज पर आइलैंड से सुसज्जित नजर आएंगे। नोएडा के करीब 68 चौराहों पर ट्रैफिक्र पोस्ट (आइलैंड) बनाये जाएंगे ताकि यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

शुरुआती चरण में नोएडा के 38 चौराहों पर ट्रैफिक पोस्ट बदले जाएंगे। नए लगने वाले ट्रैफिक पोस्ट की डिजाइन नोएडा अथॉरिटी के ट्रैफिक सेल ने मुंबई, बेंगलुरु और दूसरे शहरों के मॉडल देखकर तैयार करवा ली है। ट्रैफिक सेल के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पुराने ट्रैफिक पोस्ट ज्यादातर जगहों पर खराब हो चुके हैं। ऐसे में इनमें ट्रैफिक पुलिसकर्मी खड़े नहीं हो पा रहे हैं। कई जगहों पर ट्रैफिक पोस्ट गिरने भी लगे हैं।

अथॉरिटी के ट्रैफिक सेल के अधिकारियों ने जानकारी दी कि नोएडा के कुल 68 चौराहों पर नए ट्रैफिक पोस्ट लगाए जाने हैं। पहले फेज में 38 चौराहों का चयन हुआ है। नए बनने वाले ट्रैफिक पोस्ट की डिजाइन भी फाइनल कर ली गई है। एक पोस्ट के बनवाने में लगभग 1 लाख रुपये खर्च होंगे। यह पोस्ट पुरानी की तुलना में ज्यादा ऊंचाई वाले होंगे। साथ ही इनमें प्रकाश की भी व्यवस्था होगी। कई बार बिजली चली जाने के बाद चौराहे पर भी अंधेरा छा जाता है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को असुविधा नहीं होगी।

पुराने ट्रैफिक बूथ हटवाने और उनसे खाली हो रही सड़क की मरम्मत करवाने का काम भी शुरू हो गया है। अथॉरिटी की तैयारी यह है कि नए बूथ इसी महीने से स्थापित करवाने की शुरुआत हो जाए। चौराहों पर बूथ बने होने से लेन का विभाजन भी सही से होता रहता है। अथॉरिटी ने सेक्टर-25 ए स्पाइस मॉल चौराहा और इंडियन ऑयल गोल चक्कर सेक्टर-1 पर लगा ट्रैफिक पोस्ट हटाया भी जा चुका है।

आपदा के संकेत

यहां बादल का फटना एडवाइजरी बन जाता है, क्योंकि हम आपात की स्थिति में ही तैनात हैं। गुरुवार के दिन बादल, बरसात और बाढ़ बता रही थी कि इस विपदा की घड़ी में कौन मौजूद है। कल का दिन मुआयना कर गया कि हम किस दौर के राहत काल में हैं। हमने राहत के पहरुआ बने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के सरोकार देखे, सरकार का व्यवहार और प्रशासन का कदमताल देखा। दिल्ली से आती हुई घंटियां मुख्यमंत्री कार्यालय के फोन ने सुनीं। गृहमंत्री अमित शाह ने बाकायदा जायजा लिया स्थिति का, तो राहुल गांधी ने सरकार को तुजुर्बा दिया। चिंताओं से ग्रस्त जगत प्रकाश नड्डा की पावती आई, तो कहीं बीच में चंबा का दौरा छोड़ मंत्री विक्रमादित्य सिंह बाढग्रस्त दुरुह क्षेत्रों की ओर निकल गए। गुजरती बाढ़ से ही संवेदना का आगमन कष्ट देख रहा है, सिसकियां सुन रहा है और कहीं व्यक्तिगत योगदान के नए मुहावरे गढ़ रहा है, लेकिन इसी बीच जिनके फोन आते हैं-खत नहीं आते, क्या कहें। आश्चर्य है कि आपदा में खड़ा हिमाचल अपनी ही एक सांसद से गुजारिश कर रहा है कि इस वक्त राज्य उनके लायक नहीं है। उनके पांव में छाले न पड़ जाएं, कहीं रुह कांप न जाए और कहीं उन्हें मालूम न हो जाए कि पहाड़ किस तरह ऐसे हादसों से रू-ब-रू होता है। मोहतरमा कंगना रनौत की निजी जिंदगी के आराम बतौर सांसद, जनप्रतिनिधित्व के दायित्व को हराम कर सकते हैं, यह वह खुद सोशल मीडिया को बता रही हैं। इस तरह वह हिमाचल की पीड़ा को निम्न स्तर पर पहुंचाती हुई कहती हैं कि उन्हें सलाह मिली है कि आपदाग्रस्त संसदीय क्षेत्र में फिलवक्त न आएं। कोई बात नहीं, हम खुद ही खुद को दुरुस्त करते हैं, ताकि एक सांसद के सामने लाल कालीन बिछा कर स्वागत कर सकें। मंडी की सांसद का बयान उनकी साफगोई की वजह से उन्हें निर्दोष करार दे सकता है, लेकिन लापता हुए लोगों-तैरती हुई लाशों व गुम होते रिश्तों का भी कोई दोष नहीं। दोष तो हिमाचल सरकार का न पिछले साल था और न ही इस साल है। दोष पिछले साल बरसात से हुई दस हजार करोड़ के नुकसान या इतनी राहत राशि मांग कर हिमाचल का नहीं था। हम नहीं चाहते कि कंगना को बतौर सांसद हिमाचल आने में कोई दिक्कत हो, लेकिन यह जरूर चाहते हैं कि वह प्रदेश के हक में जुबान खोलें। हम पिछले साल और इस साल हुए नुकसान का अनुमान बना कर उन्हें भेज दें, वह कृपया राहत दिलाकर आजादी का एहसास और एहसान कराएं। बहरहाल अब सवाल हर सांसद से भी है कि पिछली राहत की टांगें क्यों टूटीं और इस बार बात फोन से आगे राहत की जुबां में होनी चाहिए। ऊंचे संबोधनों की कोई लागत नहीं होती, लेकिन जमीं पर चलने के लिए खून खर्चीला हो गया। गुमसुम है माहौल क्योंकि, साहब को यकीं नहीं है। इन बादलों का पता हो सकता है किसी को मालूम नहीं, लेकिन जमीन को मालूम है कि उसने खुद को खोया कितना है। हम आपदा को महोत्सव बना कर नहीं खेल सकते और दर्द को केवल उछाल नहीं सकते। मरहम लगाने के लिए हाथ खोलने और राहत का स्पर्श देने के लिए कदम उठाने पड़ेंगे। हिमाचल से लोकसभा व राज्यसभा के समस्त भाजपा सांसदों का फर्ज यह नहीं कि राज्य का हालचाल पूछने के लिए मुख्यमंत्री को केवल फोन कर दें, बल्कि आपदा की सूचना प्रधानमंत्री तक पहुंचानी है। आखिर संसदीय क्षेत्र में भी प्रदेश का दर्द जब बहता है, तो दायित्व की राष्ट्रीय संवेदना को ही एहसास होना चाहिए। अब राहत का पैकेज जिस दिल, क्षमता और संवेदना से चाहिए, वह दिल्ली को बताना पड़ेगा जहां हिमाचल के प्रतिनिधि ये सांसद हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जैसा कुछ मुझमें बुद्धि और विवेक का बल है, मैं हृदय में हरि की प्रेरणा से उसी के अनुसार कहूँगा। मैं अपने संदेह, अज्ञान और भ्रम को हरने वाली कथा रचता हूँ, जो संसार रूपी नदी के पार करने के लिए नाव है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बुध बिश्राम सकल जन रंजनि। रामकथा कलि कलुष बिभंजनि॥
रामकथा कलि पंनग भरनी। पुनि बिबेक पावक कहुँ अरनी॥

रामकथा पण्डितों को विश्राम देने वाली, सब मनुष्यों को प्रसन्न करने वाली और कलियुग के पापों का नाश करने वाली है। रामकथा कलियुग रूपी साँप के लिए मोरनी है और विवेक रूपी अग्नि के प्रकट करने के लिए अरणि (मंथन की जाने वाली लकड़ी) है, (अर्थात इस कथा से ज्ञान की प्राप्ति होती है)॥

रामकथा कलि कामद गाई। सुजन सजीवनि मूरि सुहाई॥
सोइ बसुधातल सुधा तरंगिनि। भय भंजनि भ्रम भेक भुअंगिनि॥

रामकथा कलियुग में सब मनोरथों को पूर्ण करने वाली कामधेनु गौ है और सज्जनों के लिए सुंदर संजीवनी जड़ी है। पृथ्वी पर यही अमृत की नदी है, जन्म-मरण रूपी भय का नाश करने वाली और भ्रम रूपी मेंढकों को खाने के लिए सर्पिणी है॥

असुर सेन सम नरक निकंदिनि। साधु बिबुध कुल हित गिरिनंदिनि॥
संत समाज पयोधि रमा सी। बिस्व भार भर अचल छमा सी॥

यह रामकथा असुरों की सेना के समान नरकों का नाश करने वाली और साधु रूप देवताओं के कुल का हित करने वाली पार्वती (दुर्गा) है। यह संत-समाज रूपी क्षीर समुद्र के लिए लक्ष्मीजी के समान है और सम्पूर्ण विश्व का भार उठाने में अचल पृथ्वी के समान है॥

(क्रमशः...)

नकारात्मक राजनीति की पीठ पर सवार है विपक्ष

एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जितनी जरूरत एक सशक्त सरकार की होती है, उतना ही सशक्त विपक्ष भी जरूरी होता है। विपक्ष लोकतंत्र के वास्तविक सार के संरक्षण और लोगों की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं के प्रकटीकरण में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किंतु, वर्तमान में भारत का विपक्ष झूठ और दुष्प्रचार की राजनीति में गले तक डूबा दिखाई देता है। एक जीवंत लोकतंत्र में विपक्ष एक निगरानीकर्ता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो सरकार की शक्तियों पर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करता है। यह विभिन्न विचारों को व्यक्त करने, समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने और सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने में सहायक होता है।

एक दशक तक लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा, क्योंकि सदन में किसी भी पार्टी के पास सदन की कुल सदस्य संख्या के दसवें हिस्से के बराबर सदस्य नहीं थे, जो अब रायबरेली के सांसद राहुल गांधी द्वारा भरा गया है। लेकिन राहुल गांधी विपक्ष के नेता संसदीय सीमाओं, अनुशासन, परंपराओं और कर्तव्यों की लक्ष्मण रेखा प्रतिदिन लांघ रहे हैं।

राहुल गांधी संसद में खड़े होकर जो मन में आता है, बोलते हैं। उनके भाषण का कोई सिरा आपस में जुड़ता नहीं है। असल में वो रटी रटाई स्क्रिप्ट को सदन में दोहराते हैं। वो सरकार पर निशाना साधने और उसकी साख को गिराने के एजेंडे को हर दिन आगे बढ़ाते हैं।

चुनाव नतीजों के बाद से ही राहुल गांधी के संसद में दिये गये भाषणों और मीडिया के सामने की गयी बयानबाजी का विश्लेषण करें तो वो सीधे तौर पर देश के हर तबके और वर्ग में असंतोष पैदा करने में जुटे हैं। वो मोदी सरकार की साख पर बट्टा लगाने के मिशन में जुटे हैं। विपक्ष के नेता और विपक्ष की भूमिका के इतर वो हर वो काम कर रहे हैं, जो विशुद्ध तौर पर राजनीति का हिस्सा है।

संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका की बात करें तो विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों की जांच करता है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए, भारत में 2जी स्पेक्ट्रम मामले में विपक्ष द्वारा निभाई गई भूमिका ने भ्रष्टाचार और शासन के मुद्दों को उजागर किया।

विपक्ष नीतिगत मामलों पर वैकल्पिक दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। 2013 में विपक्ष के रूप में भाजपा ने तत्कालीन यूपीए सरकार की आर्थिक नीतियों की प्रभावी ढंग से आलोचना की, जिससे उसे महत्वपूर्ण चुनावी लाभ हुआ।

वहीं विपक्ष विविध और अल्पसंख्यक विचारों का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे बहुलवादी समाज सुनिश्चित होता है। डीएमके और एआईटीसी जैसी क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय हितों का प्रतिनिधित्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन सबके अलावा विपक्ष विधायी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे अक्सर कानूनों में सुधार होता है। मौजूदा सरकार के तहत

जीएसटी विधेयक में विपक्ष द्वारा सुझाए गए संशोधन इसका एक उदाहरण हैं।

1960 के दशक के आरंभ से भूमि सुधार, औद्योगिक मज़दूर वर्ग के अधिकार, बेरोज़गारी, खाद्यान्न एवं उनका वितरण, जातीय मांगों और भाषाई अधिकारों जैसे विभिन्न मुद्दों पर पूरे भारत में शक्तिशाली आंदोलनों की शुरुआत हुई। तत्कालीन विपक्ष ने स्वयं को इन सामाजिक आंदोलनों से उल्लेखनीय रूप से संलग्न किया था। इतिहास में संसदीय विपक्ष ने भारत के संसदीय लोकतंत्र को रचनात्मकता और सकारात्मकता प्रदान की थी।

वहीं इस बात में दो राय नहीं है कि कमज़ोर विपक्ष एक कमज़ोर या गैर-उत्तरदायी सरकार से कहीं अधिक खतरनाक होता है। और एक गैर-उत्तरदायी, अनुशासहीन और संसदीय परंपराओं को न मानने वाला विपक्ष देश को तबाही की रास्ते पर ले जाता है।

4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही विपक्ष ने इंडी गठबंधन के बैनर तले मोदी सरकार को हर छोटे—बड़े मुद्दे पर घेर रहा है। खासकर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस संसदीय नियमों, लोकतंत्र की मर्यादाओं और परंपराओं को भूलकर लगातार तीन लोकसभा चुनाव में मिली हार की खीझ उतारती दिख रही है।

पिछले तीन आम चुनाव में ये तो साबित हो चुका है कि सीधी लड़ाई में विपक्ष मोदी को शिकस्त देने में सक्षम नहीं है। विपक्ष के झूठ, दुष्प्रचार और गलत बयानबाजी के बावजूद देश के हर वर्ग का विश्वास मोदी के प्रति कायम है। ऐसे में इंडी गठबंधन ने झूठ, दुष्प्रचार और विवादित मुद्दे उछालने की रणनीति पर काम करना शुरू कर रखा है।

2024 के लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन ने दुष्प्रचार और झूठ का सहारा लिया है। मोदी तीसरी बार सत्ता में आएंगे तो संविधान बदल देंगे। भोली भाली जनता विपक्ष के दुष्प्रचार के दुष्चक्र में फंसी भी। इस चुनाव में विपक्ष की सीटें 2014 और 2019 के चुनाव की तुलना में बढ़ोत्तरी हुई। विपक्ष के झूठ और दुष्प्रचार के बावजूद मोदी के नेतृत्व में देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की झोली में सबसे ज्यादा 240 सीटें डाली। जमीनी सच्चाई यह है कि तीसरी बार कांग्रेस विपक्ष में बैठने को मजबूर है। देश की जनता ने उसे सत्ता के लायक नहीं समझा। इस चुनाव में झूठ, षडयंत्र, दुष्प्रचार और पूरी ताकत लगाने के बावजूद विपक्ष सत्ता के करीब नहीं पहुंच पाया। लगातार तीन चुनाव में हार की खीझ, झुंझलाहट, हताशा और निराशा विपक्ष के नेताओं की बयानबाजी में साफ तौर पर झलकती है।

विशेषकर गांधी की गतिविधियां, भाषण और बयानबाजी से ऐसा प्रतीत होता है कि वो देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं। राहुल गांधी कभी अग्निवीर और नीट परीक्षा की आड़ में युवाओं को, कभी किसानों को, कभी अल्पसंख्यक समुदायों को, कभी सरकारी कर्मचारियों को, कभी दलित और आदिवासियों के मन में सरकार, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्था के प्रति रोष, असंतोष और घृणा भरने का काम कर रहे हैं। वो तो देश की जनता इतनी परिपक्व और समझदार है कि वो इनके कुत्सित इरादों ओर नीयत को समझती है। अगर जनता की समझदारी में थोड़ी भी कमी या अपरिपक्वता होती तो चार जून के बाद से अब तक देश में हिंसा और सांप्रदायिक तनाव की कई घटनाएं घट गयी होती। देश में अशांति, असुरक्षा और भय का वातावरण बन गया होता। देश की समझदार और परिपक्व जनता इस समझदारी, धैर्य और अनुशासन के लिये बधाई की पात्र है।

राजनीतिक दल अपनी राजनीति चमकाने और आगे बढ़ाने के लिये विरोधी दल की आलोचना करते हैं। ये आम बात है। लेकिन विरोध नीतियों, नीयत और निर्णयों पर होना चाहिए। वहीं विरोध और आलोचना में सत्य, प्रामाणिकता और सकारात्मकता होनी चाहिए। आधे अधूरे तथ्यों, जानकारी और आंकड़ों के आधार पर एक दूसरे की आलोचना करना एक स्वस्थ लोकतंत्र में उचित नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन अफसोस इस बात का है कि पिछले एक दशक से विपक्ष झूठ, दुष्प्रचार, फेक न्यूज फैलाने और झूठे नैरेटिव गढ़ने में व्यस्त है। उसके पास देश की समस्याओं के समाधान की कोई कार्ययोजना और नीति नहीं है। देश के विकास और जनकल्याण का कोई मॉडल और विजन उसके पास नहीं है। विपक्ष झूठ के सहारे सत्ता हासिल करना चाहता है। और देशवासियों की समस्याओं के समाधान के तौर पर रेवड़ी कल्चर का पिटारा उसके पास है।

लोकतंत्र का स्वास्थ्य प्राय- उसके विपक्ष की ताकत और जीवंतता में झलकता है। भारत में विपक्ष को मजबूत करना सिर्फ़ राजनीतिक दलों को सशक्त बनाने के बारे में नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के बारे में भी है। राज्य द्वारा वित्त पोषण, मीडिया तक समान पहुंच और पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं। एक जीवंत, उत्तरदायी और जवाबदेह लोकतंत्र के लिए एक मजबूत और प्रभावी विपक्ष आवश्यक है। वर्तमान में विपक्ष अपनी भूमिका, कर्तव्यपालन और उत्तरदायित्व के पालने में असफल दिखाई देता है। विपक्ष को झूठ, दुष्प्रचार और नकारात्मक राजनीति छोड़कर देश और जनता के हित, कल्याण, समृद्धि और विकास की दिशा में कार्य करना चाहिए। इसी में लोकतंत्र, लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक दलों की भलाई और कल्याण निहित है।

- डॉ. आशीष वशिष्ठ
स्वतंत्र पत्रकार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है।

संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी-एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया।

सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद-19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पड़ेगी।

आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी-एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है। क्योंकि उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी स्थिति गांव में रहने वाले भूमिहीन-निर्धन-अभावग्रस्त लोगों के बच्चों जैसी है। सच यही है कि आरक्षण की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी श्रेणी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है।

हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग-समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी-एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय-समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी-एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए।

- ललित गर्ग

राशिफल

श्रावण कृष्ण पक्ष : प्रतिपदा

(विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक दुविधा बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा आएगी। स्वास्थ्य ठीकठाक है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। चोट-चपेट से बचें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत हैं। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक दवाब झेलेंगे। स्वास्थ्य दिक्कत में रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीकठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कंधे में, नाक-कान व गला में परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीका भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक भ्रामक-सा मन रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी नहीं है।

हर घर तिरंगा को लेकर हुई गोष्ठी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सामाजिक संगठन ने गांव कचेडा, बिश्नोई, बंबावड़, महावड, दुजाना, बादलपुर के लोगों के साथ हर घर तिरंगा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया तथा तिरंगे वितरित किए गए उम्मीद संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉक्टर देवेंद्र कुमार नागर एवं, बीकेयू अंबावता संगठन के किसान नेता राजकुमार रूपवास ने बताया कि हम सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए 15 अगस्त को प्रत्येक घर पर तिरंगा झंडा लगाना चाहिए तिरंगा झंडा हमारी राष्ट्रीय पहचान है हमारा गौरव है अपने मकान पर तिरंगा झंडा लहराना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है उम्मीद संस्था 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा झंडा लहराने के लिए लोगों को जागरूक करेगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से मनीष पोसवाल, अग्निवेश, सूबेदार वीरसिंह, देशराज, मास्टर बालचंद, राजकुमार, मास्टर बालचंद, अनिल प्रधान, ब्रह्मसिंह, अनोज लोहिया, महेंद्र प्रधान, अजीत प्रधान सुरेश प्रधान संजीव मुकदम ओमवीर रविंदर आर्य, सुनील नागर, सचिन नागर अरुण नागर अंकित शिवमआदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोसायटी वासियों ने समस्या से भाकियू (बलराज) को कराया अवगत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी में लचर सुरक्षा के कारण आये दिन हत्या व हत्या के प्रयास एवम मकानों में चोरी जैसी घटनाऐं लगातार जारी है। वहाँ के निवासियों द्वारा बिल्डर और सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कम्पनी को बार बार शिकायत के बावजूद भी कोई समाधान नही किया गया जिससे सोसायटी के निवासी अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहें है और डरे सहमे हुए हैं। इस सम्बन्ध में कल पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों ने सोसायटी क्लब में भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी से मीटिंग कर उन्हें अपनी समस्याओ से अवगत कराया और समस्याओ के समाधान के लिए मदद का आग्रह किया राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने सोसायटी निवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय किसान यूनियन (बलराज) सोसायटी निवासियों की मदद के लिए साथ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर व पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर को ज्ञापन के माध्यम से सोसायटी निवासियों की समस्याओ को अवगत करायेगें यदि प्रशासन शीघ्र समाधान नही करता है तो विशाल धरना-प्रदर्शन होगा।

इस अवसर पर महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी,उत्तर प्रदेश अध्यक्ष युवा एवम प्रदेश प्रवक्ता विपिन खारी, प्रदेश महामंत्री रामरिक भाटी ,प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी,प्रदेश सचिव हरेन्द्र भाटी,पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संदीप भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष ऊधम नम्बरदार, प्रदेश उपाध्यक्ष गिरीश भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भडाना, महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव, जिला उपाध्यक्ष राहुल भाटी, जिला संगठन मन्त्री रिंकू भडाना, जिला अध्यक्ष युवा हापुड सचिन नागर ,जिला उपाध्यक्ष बिंदर नागर, सोसायटी निवासी रामकुमार नागर, ठाकुर किरनपाल सिंह, भगवंत सिंह, विपिन जोशी, आशु चौहान, राहुल भाटी, सोविदंर भाटी, किशोर चतुर्वेदी, एपीएस शिशौदिया, विनोद प्रताप, प्रभात राय, सागर ,विनित सिंह, आदित्य, रजनीश शर्मा, दीपक नागर आदि सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अल्फा वन सामुदायिक केंद्र में रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक कार्यकारिणी के सदस्य व पधाधिकारियो के साथ सुशील नागर की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक का संचालन संस्था के अध्यक्ष शेर सिंह भाटी ने किया और सेक्टर की समस्याओं पर गहनता से विचार किया गया।

संस्था के महासचिव संजय नागर ने बताया की अल्फा वन सेक्टर इस शहर का सबसे पहला सेक्टर है यहा पर आए दिन सीवर की समस्या बनी रहती हैं बहुत बड़ी समस्या है नालियों की जिसमे की नालियों के दक्कन नही है नालिया जर्जर हो गई जिसकी वजह से मच्छर पैदा हो गए हैं। सामुदायिक भवन पर दुबारा पीएसी का कब्जा हो गया है और सैक्टर मैं गार्बेज पर सरचार्ज लगाने पर आर डबलू ए इसका विरोध करती हैं और गार्बेज प्रॉपर घरों से उठता भी नहीं है।

इस मौके पर संरक्षक सुशील नागर जितेंद्र भाटी, कृष्ण पाल भाटी, शेर सिंह भाटी, अध्यक्ष संजय, नगर महासचिव राजेंद्र नगर, संयुक्त महासचिव, कोषाध्यक्ष गिरीश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष प्रेम सिंह भाटी, उपाध्यक्ष गजेंद्र दत्त शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीपाल भाटी, पीडी निगम, ज्योतिष सिंह, सचिव आदि लोग मौजूद रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

प्रयागराज(चेतना मंच)। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सर्वोदय नगर के रामगढ़ में भारत विकास परिषद संस्कार शाखा द्वारा गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मध्य मेधावी छात्रों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संस्कार शाखा के अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने विद्यालय के प्रधानाचार्य, आचार्य व दीदीयो को सम्मानित किया। उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए अशोक वर्मा ने कहा कि गुरु ही भाभी पीढ़ी के निर्माण का आधार है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल बाबू जायसवाल ने उपस्थित अभिभावक गण एवं मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में गुरु शिष्य परंपरा एवं गुरुकुल शिक्षा पद्धति का प्राचीन काल से ही विशेष स्थान है। गुरु शिष्य का रिश्ता अत्यंत पवित्र एवं अद्भुत है प्रमुख गुरु शिष्य जोड़ी चाणक्य-चंद्रगुप्त, समर्थ गुरु रामदास-छत्रपति शिवाजी, रामकृष्ण परमहंस-स्वामी विवेकानंद का विशेष उल्लेख किया। कार्यक्रम में शाखा के संरक्षक राधे श्याम कंडेल, सचिव सीमा जयसवाल, प्रांत सचिव अमित श्याम, ने संबोधित किया कार्यक्रम में मधु जायसवाल, हेमा, कमल किशोर, सुमन श्रीवास्तव व अनेक गणमान्य महानुभाव व मातृशक्ति उपस्थित थी।

अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच ब्लाक कार्यकारिणी का किया विस्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच की संगोष्ठी का आयोजन ब्लॉक दादरी पर हुआ संगोष्ठी की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने किया उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में 1 अगस्त से लेकर 9 अगस्त तक प्रत्येक ब्लॉक पर अटेवा संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री जगबीर भाटी ने किया बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रोहतास कुमार ने संजय खारी को ब्लॉक संरक्षक, और विजय शंकर प्रसाद को ब्लॉक मंत्री और रमेश चंद यादव को ब्लॉक संयुक्त मंत्री मनोनीत किया गया। सभी ने अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच को मजबूत करने की अपील की गई और अटेवा के सदस्यता अभियान को सफल बनाने की अपील की गई।

संगोष्ठी में आशुतोष चौधरी गजेंद्र, खारी, मुकेश, बृजपाल, टीटू, कमलेश विनोद कुमार मुकेश गौरव पुष्कर जगदीश चंद्र परमेश्वर राजकुमार आदि मौजूद रहे।

नवनियुक्त राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को भाजपा नेता ने दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा लक्ष्मण आचार्य को असम एवं मणिपुर का राज्यपाल बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अखिल भारतीय बंजारा महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष ताराचंद नायक ने दिल्ली स्थित असम भवन पहुंचकर उन्हें बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर लक्ष्मण आचार्य को गुलदस्ता भी भेंट किया। सर्वविदित हो कि लक्ष्मण आचार्य को असम एवं मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है उन्होंने असम भवन में पहुंचकर नवनियुक्त राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अच्छेजा में हुई पंचायत

दनकौर। किसान एकता संघ द्वारा किसानों के बच्चों को स्थायी रोज़गार दिलाने को लेकर आगामी 12 अगस्त को क्षेत्र की वीवो कंपनी पर होने वाले विशाल धरने एवं महापंचायत में अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के नेतृत्व में गाँव अच्छेजा बुजुर्ग में जन-जागरण अभियान के तहत दूसरे दिन मीटिंग की गई। संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया कि इस अभियान के तहत क्षेत्र के किसानों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करके किसानों की विभिन्न समस्याओं का प्रारूप तैयार किया गया है जिनका निस्तारण कराने लिए किसान एकता संघ प्रतिबद्ध है। 12 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए लोगों से अनुरोध किया गया। इस मौक़े पर सोरन प्रधान, देशराज नागर, कृष्णा बैंसला, पंडित प्रमोद शर्मा, उमेद एडवोकेट, पप्पे नागर, सेलक भाटी, मेहरबान अली, जगदीश शर्मा, राकेश चौधरी, सतीश कनारसी, सुभाष भाटी, फरमान त्यागी, अमित नागर, डॉ जाफर खान, डॉ अजय शर्मा, परवेज खान, अकरम खान, मनीष नागर, आसिफ खान सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

किसान सभा की मासिक बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा की मासिक बैठक मासिक हुई। बैठक में जिला कमेटी में मुख्यमंत्री के स्तर से किसानों की समस्याओं के संबंध में राजस्व परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में बनी कमेटी की सिफारिश के बारे में चर्चा की किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने उपस्थित कमेटी के सदस्यों को अवगत कराया कि कमेटी के अध्यक्ष 3 अगस्त को नोएडा आए थे मीटिंग में रिपोर्ट के फाइनल होने की संभावना है यदि सिफारिशें किसानों के पक्ष में जाती हैं तो मुख्यमंत्री स्तर से सिफारिशों को लागू करने के लिए मुलाकात की जाएगी।

बैठक में अजब सिंह नेताजी जोगिंदर प्रधान सुरेंद्र यादव सतीश यादव सुरेश यादव मुकुल यादव सुशील भाई मुकेश खेड़ी पप्पू ठेकेदार जोगिंदर प्रधान नितिन चौहान मोहित भाटी रंगलाल भाटी रईसा बेगम आशा यादव रेखा चौहान संजय इमालिया गुरप्रीत एडवोकेट भगत सिंह चेची बिजेंद्र नागर देशराज राणा मुकुल चौहान अजय पाल भाटी कोषाध्यक्ष, यतेंद्र, पवन शर्मा एवं जिला कमेटी के सभी सदस्य शामिल रहे।

सोसाइटीवासियों के लिए लगाया सीपीआर कैंप

नोएडा (चेतना मंच)। सोच फाउंडेशन ने यथार्थ हॉस्पिटल द्वारा लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी सेक्टर 100 के निवासियों के लिए CPR कैंप का आयोजन किया जिसमें सोसायटी के निवासियों एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस महत्वपूर्ण ट्रेनिंग को सीखा।

इस कैंप को सोच फाउंडेशन की ट्रस्टी वंदना गुप्ता, AOA बोर्ड मेंबर सीमा नारंग, डॉ सुरभि और डॉ चिराग ने सुचारू रूप से पूरा किया। कैंप में मौजूद डाक्टर ने बताया कि सीपीआर के जरिए किस तरह किसी रोगी की जान बचाई जा सकती है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

दिल्ली हाट में लगा 'मेरा हैंडलूम मेरा गौरव एक्सपो', बुनकरों के उत्पाद का सजा बाजार

दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सभी हिस्सों से पारंपरिक हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने तथा एक छतरी के नीचे पूरे भारत से विशेष हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली हाट में 'मेरा हैंडलूम मेरा गौरव एक्सपो-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में देश भर के हथकरघा और हस्तशिल्प से जुड़े उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है।

आपको बता दें कि भारत सरकार 7 अगस्त 2024 को दसवां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मना रही है। इस अवसर पर विकास आयुक्त हथकरघा (वस्त्र मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा एक प्रदर्शनी विरासत, 'माय हैंडलूम माय प्राइड एक्सपो 2024' का आयोजन दिल्ली हाट में किया जा रहा है। यह एक्सपो 15 अगस्त तक चलेगा। इस प्रदर्शनी के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों के 42 हथकरघा पुरस्कार विजेता बुनकरों और 118 हस्तशिल्प कलाकारों को ग्राहकों से सीधा जोड़ा जाएगा। राजधानी दिल्ली के INA मार्केट के पास स्थित दिल्ली हाट में लगाई गई इस प्रदर्शनी में रेशमी और सूती साड़ियां सलवार सूट पोशाक सामग्री दुपट्टे स्टॉल यूनिसोल मफलर बिस्तर लेनिन चटाई गलीचे दरी के अलावा कढ़ाई पैच ब्लॉक प्रिंटिंग कालीन व पेंटिंग आदि प्रदर्शित की गई है। देश के कोने-कोने से बुनकरों और कलाकारों ने अपने हस्त निर्मित उत्पादों को यहां प्रदर्शित किया है।

आईईआरटी में दो दिवसीय कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रयागराज (ब्यूरो)। आईईआरटी प्रयागराज में चल रहे दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन हो गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती अनामिका चौधरी प्रदेश मंत्री एवं प्रांत संयोजक नमामि गंगे, गंगा विचार मंच (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन) तथा विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र मिश्रा महानगर अध्यक्ष भाजपा को संस्थान के निदेशक डॉ विमल मिश्रा ने बुके, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

दूसरे दिन समूह नृत्य प्रतियोगियों में जबरदस्त उत्साह और जोश रहा। सभी सोसायटी एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत करके जजेज को भी मुश्किल में डाल दिया था। इलेक्ट्रिकल सोसायटी और सिविल सोसायटी में कांटे का टक्कर दिखाई दिया।मात्र एक नंबर से इलेक्ट्रिकल सोसायटी चैंपियन बन गई।

प्रथम रनर अप सिविल सोसायटी रही तथा द्वितीय रनर अप में इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर प्लांट संयुक्त रूप से विजयी रहे।

कार्यक्रम जज डॉ बविता वर्मा, डॉ वंदना शर्मा, डॉ रंजना मिश्रा, रूपाली मिश्रा,सी पी सिंह, रूशाली मिश्रा, डॉ इंद्र कुमार वर्मा के सफल आयोजन में सहयोग के लिए अनामिका चौधरी ने सभी को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। चेयरमैन उमाशंकर वर्मा ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और संचालन कैप्टन सुनील निषाद ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद कुमार तिवारी, सत्य प्रकाश छात्र कल्याण अधिकारी,कांती देवी, डॉ ए के शुक्ला, मेज़र दिव्य प्रकाश गोस्वामी,रामजनम, विजय कुमार, इरफान खान, हर्ष धर दुबे, अम्बुज वर्मा, नितिन कुमार, अंकुश पांडेय,हरे कृष्ण मिश्रा, सौरभ यादव,साक्षी प्रजापति, मुस्कान जायसवाल, वैष्णवी, पूनम यादव आदि मौजूद रहे।

खास खबर

हुंडई वेन्यू एस ओ प्लस वेरिएंट लांच

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक सनरूफ से लैस हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने हुंडई वेन्यू एस (ओ) प्लस वेरिएंट लॉन्च किया है। इस मॉडल में मॉडर्न स्टाइल के साथ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और कनेक्टिविटी का कॉम्बिनेशन है। इसकी कीमत 9,99,900 रुपये (एक्स-शोरूम) है। हुंडई वेन्यू एस(ओ) प्लस वेरिएंट में 1.2 एल कप्पा पेट्रोल इंजन लगा है, जिसे मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ पेयर किया गया है। इसमें स्मार्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ, एलईडी डीआरएल, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐपल कारप्ले को सपोर्ट करने वाला 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। हुंडई वेन्यू एस(ओ) प्लस वेरिएंट में सेफ्टी को खासतौर पर ध्यान दिया गया है। इसमें 6 एयरबैग, टीपीएमएस हाईलाइन, ऑटोमैटिक हेडलैंप, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), हिल-स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल (एचएसी) और रियर कैमरा दिया गया है।

कच्चे तेल के भाव गिरे, पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बदलीं

नई दिल्ली। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल-डीजल के नए भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव क दौर लगातार जारी है। जारी भाव के अनुसार कच्चे तेल का दाम 77 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे आ गया है। वैश्विक बाजार में रविवार को ब्रेंट क्रूड 76.81 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है भारत में फिर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल सकता है। तेल कंपनियों के मुताबिक अलग-अलग महानगरों और शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।

एएआई ने हवाई अड्डों के रखरखाव, मरम्मत पर 796 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 101 हवाई अड्डों के रखरखाव और मरम्मत पर कुल 796 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। वित्त वर्ष 2021-22 से एएआई का हवाई अड्डों पर इन गतिविधियों को लेकर खर्च लगातार बढ़ रहा है। मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में यह राशि बढ़कर 795.72 करोड़ रुपये हो गई, जो 2022-23 में 663.42 करोड़ रुपये थी। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा राज्यसभा के साथ साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में मरम्मत और रखरखाव कार्यों पर खर्च 535.02 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के मुताबिक 121 एएआई हवाई अड्डों के लिए व्यय के आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं।

आईपीओ से पूंजी जुटाने में भारत शीर्ष पर : बुच

- पूंजी बाजार की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका पूंजी निर्माण की होती है
- ज्यादा पूंजी जुटाने के लिए कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए सेबी जल्द ही नई व्यवस्था करेगी
- आईपीओ दस्तावेज की मंजूरी में लगने वाला समय कम हुआ है

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से प्राथमिक बाजारों को जल्द ही और प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए आवेदन की प्रक्रिया को अधिक सरल और सुव्यवस्थित करने के साथ सूचीबद्ध कंपनियों के लिए पूंजी जुटाने का एक नया तरीका तैयार किया जा रहा है। इससे कंपनियां कम समय में पूंजी जुटाने में सक्षम होंगी, इससे निजी पूंजीगत खर्च को बढ़ावा मिलेगा। बाजार में तेजी का फायदा उठाते हुए विभिन्न कंपनियों ने आईपीओ, राइट निर्गम और पात्र निजी नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से इस साल अब तक लगभग 1 लाख करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। एक कार्यक्रम में सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने कहा, पूंजी बाजार की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका पूंजी निर्माण की होती है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि वैश्विक स्तर पर भारत आईपीओ और अन्य निर्गम जारी करने की संख्या के आधार पर पहले स्थान पर है। बुच ने कहा कि ज्यादा पूंजी जुटाने के लिए कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए सेबी जल्द ही नई व्यवस्था करेगी। इसके तहत निर्गम दस्तावेज के लिए नियामक सरल प्रारूप पेश करेगा जिसमें रिक्त स्थान को भरने जैसा आसान तरीका होगा और जटिलताओं को समझाने के लिए एक अलग भाग होगा। बुच ने घोषणा की कि सेबी पूंजी जुटाने के एक नए तरीके पर काम कर रहा है जो राइट निर्गम और क्यूआईपी को संचालित करने वाले ढांचे की तरह होगा। सेबी प्रमुख ने कहा कि बड़ी तादाद में आईपीओ आवेदनों को देखकर नियामक इसकी जांच-परख और मंजूरी में लगने वाले समय को कम करने का प्रयास कर रहा है। सेबी प्रमुख बुच ने कहा कि आईपीओ दस्तावेज की मंजूरी में लगने वाला समय कम हुआ है मगर अपूर्ण दस्तावेज, आवेदनों में विसंगति या आंतरिक जांच-परख के कारण कुछ देर होती है। कुछ आईपीओ आवेदनों में खामियों के कारण अच्छे आईपीओ को मंजूरी हासिल करने की राह में बाधा होती है। बाजार नियामक तेजी से मंजूरी के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का उपयोग कर रहा है और 80 फीसदी काम इस तकनीक के द्वारा किया जा रहा है। नियामक ने इस साल जुलाई तक 86 आईपीओ आवेदनों की जांच-परख की है। इसमें से 65 को मंजूरी दी गई और 16 को लौटा दिया गया, जबकि 4 आवेदन वापस ले लिए गए। सेबी पूंजी जुटाने के नए तरीके पर प्रतिक्रिया लेने जल्द ही परामर्श प्रक्रिया शुरू करेगा। बुच ने कहा, हम राइट निर्गम और तरजीही आवंटन के लिए कॉम्बो प्रोडक्ट लाएंगे। राइट निर्गम की मौजूदा 23 दिन और तरजीही आवंटन की मौजूदा 42 दिन की समयसीमा घटाकर आधी की जाएगी। उन्होंने कहा, इस कदम का उद्देश्य पूरी प्रक्रिया को एक्सप्रेसवे की तरह तेज बनाना है ताकि पूंजी तेजी से कम खर्च पर जुटाई जा सके और इसमें निवेशकों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। प्राइस डेटाबेस के अनुसार इस साल अभी तक 40 कंपनियों ने पूंजी बाजार से 36,286 करोड़ रुपए जुटाए हैं। अगले हफ्ते 4 आईपीओ आने वाले हैं जिससे कुल 12,000 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। बुच ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में आईपीओ से पूंजी जुटाने के लिहाज से वार्षिक वृद्धि के मामले में भारत शीर्ष पर रहा है।

जेफ बेजोस ने गंवाए 15.2 अरब डॉलर

नई दिल्ली। एमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ने एक दिन में 15.2 अरब डॉलर की संपत्ति गंवा दी। यानी कि जेफ बेजोस को सिर्फ एक दिन में 1,256,510,265,000 रुपये का नुकसान हुआ है। बता दें कि बेजोस एलन मस्क के बाद दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति हैं। जेफ बेजोस के साथ ही साथ अन्य अरबपतियों की संपत्ति भी जबरदस्त गिरी। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों को देखा जाए तो लगातार टॉप 22 अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई है। इंडेक्स में बताया गया कि दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति से 134 बिलियन डॉलर (13,400 करोड़ डॉलर) का नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि शुक्रवार को अमेरिका में बेरोजगारी दर का साप्ताहिक आंकड़ा कमजोर आने के बाद भारत समेत दुनियाभर के बाजारों को गिरावट का सामना करना पड़ा था। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक 100 इंडेक्स 2.4 फीसदी गिर गया था। इस दौरान एमेजान के शेयरों में भी 8.8 सदी की गिरावट आई, जिससे जेफ बेजोस की संपत्ति 15.2 बिलियन डॉलर यानी 1,520 करोड़ डॉलर घटकर 191.5 बिलियन डॉलर हो गई।

जेपी ग्रुप को खरीदकर रियल एस्टेट मार्केट में आने को तैयार गौतम अडानी

एजेंसी
मुंबई। उद्योगपति गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप दिल्ली-एनसीआर के रियल एस्टेट मार्केट में आने को तैयार है। अडानी समूह की नजर दिवालिया हो चुके जेपी ग्रुप की संपत्तियों पर है। अडानी जेपी ग्रुप के रियल एस्टेट और सीमेंट कारोबार को खरीद सकता है। इन संपत्तियों के लिए अडानी ग्रुप करीब 1 अरब डॉलर (करीब 8,300 करोड़ रुपये) तक की बोली लगा सकता है। गौरतलब है कि जेपी ग्रुप पर देश के कई बैंकों का 50 हजार करोड़ रुपये बकाया है। जेपी ग्रुप के रियल्टी एसेट्स, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के तहत आते हैं, जो ग्रुप की सबसे मुख्य कंपनी है। जेपी समूह की रियल एस्टेट होल्डिंग्स में ग्रेटर नोएडा में 452 एकड़ की जेपी ग्रीन्स टाउनशिप जैसी हाई-प्रोफाइल परियोजनाएं शामिल हैं, जिसमें लग्जरी विला, अपार्टमेंट और एक गोल्फकोर्स शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी के पास जेपी ग्रीन्स विश टाउन नाम से नोएडा में 1,063 एकड़ में फैली एक टाउनशिप परियोजना और जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स सिटी भी शामिल है जिसमें यमुना एक्सप्रेसवे के साथ बना मोटर रेसिंग ट्रैक भी आता है। अडानी ग्रुप का रियल एस्टेट कारोबार अभी मुंबई के आसपास ही फैला हुआ है। इसकी वैल्यू करीब 6,000 करोड़ रुपये है। कंपनी के पास धारावी स्लम के रिडेवलपमेंट का मेगा प्रोजेक्ट है। इसके अलावा बांद्रा में भी समूह के पास जमीन का एक बड़ा टुकड़ा है। अडानी ग्रुप यदि जेपी समूह के रियल एस्टेट कारोबार को खरीदता है, तब अडानी समूह का प्रवेश देश के सबसे बड़े प्रॉपर्टी बाजार में होगा। जेपी ग्रुप के रियल्टी एसेट्स दिल्ली-एनसीआर में फैले हुए हैं, इसमें कई प्रीमियम अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, विला और गोल्फकोर्स आदि शामिल हैं। जेपी की रियल एस्टेट प्रॉपर्टीज के अलावा अडानी ग्रुप इसकी सीमेंट यूनिट के लिए भी बोली लगाने की तैयारी में है।

एसबीआई को 3 महीने में 17,035 करोड़ का मुनाफा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के लिए 17,035 करोड़ रुपये का रहा है। यह बीते वित्त वर्ष के मुनाफे से बहुत बड़ा बदलाव नहीं है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का मुनाफा 16,884 करोड़ रुपये रहा था। एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 1,22,688 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,08,039 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की ब्याज से आमदनी बढ़कर 1,11,526 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 95,975 करोड़ रुपये थी। बैंक की ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स, (एनपीए) जारी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर 2.21 प्रतिशत रह गईं, जो पिछले साल जून के अंत में 2.76 प्रतिशत थीं। इसी तरह इसका नेट एनपीए भी जून, 2024 में घटकर 0.57 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 0.71 प्रतिशत था। एसबीआई का मुनाफा जून तिमाही में एकीकृत आधार पर मामूली रूप से बढ़कर 19,325 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 18,537 करोड़ रुपये था। वहीं इसकी कुल आय जून तिमाही में बढ़कर 1,52,125 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,32,333 करोड़ रुपये थी।

नवरत्न फाउंडेशन ने खोला 13वां कंप्यूटर सेंटर

नोएडा (चेतना मंच)। नवरत्न फाउंडेशन ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचितों को गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करने के लिए मोड बंद एक्सटेंशन बदरपुर दिल्ली में अपने 13वें कंप्यूटर शिक्षा केंद्र का शुभारंभ किया। यह केंद्र जैन शरणम के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है।

नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र का उद्घाटन भोर ह्यूमनली लिविंग फाउंडेशन की डॉक्टर सुनीता जेटली और सी ए राजेश जेटली ने किया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में बुनियादी ढांचे के साथ 6 कंप्यूटर सेट लगाए गए हैं जिनका लाभ आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचितों को मिलेगा। इस मौके पर जैन शरणम टीम के सदस्यों ने केंद्र को कुशलतापूर्वक चलाने में अपनी पूरी मदद देने का वादा किया। इस मौके पर नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, नीरज भटनागर, आदित्य भटनागर, अजय मिश्रा, राकेश यादव, रमांशु वर्मा और उनकी टीम मौजूद थी।

एफआईपी की उड़ान ड्यूटी के संशोधित मानदंड लागू करने की मांग

एजेंसी
मुंबई। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने नागर विमानन मंत्रालय को लिखे पत्र में पायलटों को होने वाली थकान पर चिंता जताते हुए संशोधित मानदंडों को तत्काल क्रियान्वित करने की जरूरत बताई है। पायलटों के समूह एफआईपी के 6,000 से अधिक सदस्य हैं। एफआईपी ने इससे पहले भी नागर विमानन मंत्रालय को संशोधित नागर विमानन आवश्यकता (सीएआर) पर पत्र लिखा था, क्योंकि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसके क्रियान्वयन को टाल दिया था। उड़ान ड्यूटी समयसीमा से संबंधित संशोधित सीएआर पायलट की थकान पर बढ़ती चिंताओं के बीच उन्हें आराम के लिए अधिक समय देने से संबंधित है। मार्च में डीजीसीए ने इसके क्रियान्वयन को स्थगित करने का निर्णय लिया था। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू को लिखे पत्र में एफआईपी अध्यक्ष सीएस रंधावा ने उनसे संशोधित सीएआर को जल्द से जल्द लागू करने के लिए डीजीसीए को निर्देश देने का अनुरोध किया है। पत्र में सीएआर के क्रियान्वयन को स्थगित करने के नियामक के कदम का जिक्र करते हुए कहा गया है कि डीजीसीए की कार्रवाई न केवल पायलट सुरक्षा को खतरे में डालती है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी कमजोर करती है। 29 जुलाई को लिखे पत्र में यह भी दावा किया गया है कि थकान के मुद्दे की गंभीरता को पहचानने में नियामक की विफलता न केवल पायलटों बल्कि हवाई यात्रा करने वाले आम लोगों की सुरक्षा से भी समझौता करने जैसा है।

एलिस्टा का बिहार झारखंड में विस्तार करने की योजना

रांची। इलेक्ट्रॉनिक, घरेलू उपकरण, आईटी और मोबाइल एक्सेसरीज ब्रांड एलिस्टा इंडिया बिहार झारखंड में आक्रामक विस्तार योजना पर काम कर रही है। एलिस्टा राज्य के बड़े उपभोक्ताओं पर नजर रखते हुए बिहार में अपनी उत्पादन इकाई शुरू करेगा। एलिस्टा इंडिया के निदेशक - बिक्री, अजय सिंह ने कहा कि कंपनी की बिहार में बड़ी संभावनाएं हैं क्योंकि इसके पचास प्रतिशत से अधिक उपभोक्ता पूर्वी भारत से हैं जिसमें बिहार भी शामिल है। सिंह ने आगे कहा कि बड़े उपभोक्ता आधार के अलावा, कंपनी में अधिकांश कार्यबल बिहार से है, ऐसी स्थिति में बिहार में उत्पादन इकाई स्थापित करके हम बाजार को और आगे बढ़ा सकते हैं।

ब्रह्म एकता दिवस को सफल बनाने पर मंथन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की एक बैठक खुर्जा में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 15 सितंबर को आयोजित होने वाले ब्रह्म एकता दिवस को सफल बनाने पर मंथन किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों को कार्यक्रम सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां दी गई।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने बताया कि 15 सितंबर को आयोजित होने वाले ब्रह्म एकता दिवस में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला तथा राजस्थान के राज्यपाल रहे कलराज मिश्र शिरकत करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जितेंद्र प्रसाद, उत्तर प्रदेश के विद्युत मंत्री एपी शर्मा, सुनील शर्मा ने कार्यक्रम में आने की सहमति दे दी है।

उन्होंने बैठक में उपस्थित लोगों का आह्वान क्या कि वह इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दें। बैठक के पश्चात महासभा के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का भी दौरा किया।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद गोपाल दत्त शर्मा, सतीश शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, हरिओम शर्मा, शरद वशिष्ठ, अरविंद शर्मा, देवदत्त शर्मा, जेपी भारद्वाज, देवेंद्र भारद्वाज, नरेश पाल कौशिक, दिग्विजय दीक्षित आदि मौजूद रहे।

भगवान परशुराम की मूर्ति खंडित करने पर सांसद से मिले

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने गुलावठी गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा भगवान परशुराम की मूर्ति खंडित करने के विरोध में गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा से मुलाकात की। महासभा ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा नई मूर्ति लगवाने की मांग की।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारी व ब्राह्मण समाज के लोगों ने सेक्टर-27 स्थित कैलाश हॉस्पिटल में सांसद डॉ. महेश शर्मा से मुलाकात की। पंडित पीतांबर शर्मा ने बताया कि दो बार मूर्ति खंडित कर असामाजिक तत्वों ने दुस्साहस का परिचय दिया है। ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

सांसद डॉ महेश शर्मा ने पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से फोन पर वार्ता कर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने को कहा। उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर ने कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री परमानंद शर्मा, जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष उमेश पंडित, मंडल अध्यक्ष राजकुमार उर्फ राजू, दादरी नगर पालिका अध्यक्ष गीता पंडित, महिला विंग की मेरठ मंडल अध्यक्ष गायत्री तिवारी, महामंत्री पूजा शर्मा, एडवोकेट रामवीर शर्मा, नरेंद्र शर्मा, ज्ञानचंद शर्मा, रतनवीर शर्मा, विजय शर्मा, अनिल शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पृष्ठ एक के शेष....

मजदूर यूनियनों का...

बैठक में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त का गई कि करीब 150 साल पहले सम्मानजनक जीवन जीने के लिए लम्बे संघर्ष के बाद हासिल काम के घंटे 8 करने के अधिकार को केन्द्र और राज्यों की सरकारें छीनने में लगी है। हाल ही में कर्नाटक सरकार द्वारा तो आईटी सेक्टर में काम करने वाले श्रमिकों के लिए तो 14 घंटे काम करने का कानून पास किया है और केन्द्र सरकार द्वारा लाए जा रहे नए लेबर कोड में काम के 12 घंटे करने का प्रावधान है।

इतना ही नहीं हिन्द मजदूर सभा के प्रदेश सचिव आर.पी. सिंह चौहान ने कहा कि पहले से ही भीषण बेरोजगारी का दंश झेल रहे उत्तर प्रदेश में यह संशोधन बेरोजगारी को और बढ़ाने का काम करेगा। अभी उद्योगों में कार्यरत करीब 33 परसेंट मजदूरों की छटंनी हो जाएगी, जो 8 घंटे की तीन शिफ्ट में आज काम कर रहे हैं। यह कानून काम के घंटे 8 करने के इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के कन्वेंशन, जिसका भारत सरकार भी हस्ताक्षर कर्ता है, का सरासर उल्लंघन है।

बैठक में हिन्द मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के सचिव आर पी सिंह, सुदेश भाटी, अमित बंसल, प्रवीन वर्मा, एस एन पांडे, विमलेश कुमार, राजेश शर्मा, शत्रुघ्न शाह, अफरोज, सी के मिश्र, बालेश्वर सिंह, आशीष कनौजिया, अरूण पटेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम...

बताया कि गांव गुलावठी खुर्द में 27 मई को भगवान परशुराम की मूर्ति कुछ असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दी थी। जिसकी दादरी कोतवाली में एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। बाद में विरोध व प्रदर्शन के बाद शासन प्रशासन ने 24 जून को एक नई मूर्ति वहां पर स्थापित करवा दी।

लेकिन अब फिर असामाजिक तत्वों ने दोबारा स्थापित की गई भगवान परशुराम की मूर्ति खंडित कर दी है जिससे ब्राह्मण समाज में काफी आक्रोश है। अभी तक इस मामले में ना तो कोई गिरफ्तारी की गई ना ही कोई पुलिस प्रशासन ने कठोर कदम उठाया है। इससे ब्राह्मण समाज में प्रदेश की वर्तमान सरकार के खिलाफ एक गलत संदेश जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वे इस मामले में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दें ताकि असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करके उनको दंडित किया जाए।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केके मिश्रा, राष्ट्रीय महसचिव लोकेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष अरूण मिश्रा, रामनारायण पांडेय, अभिलाष मिश्रा, दीपक तिवारी, संजय मिश्रा, श्रीमती ममता शर्मा, उपेन्द्र शर्मा समेत कई लोग मौजूद थे।

सीवर जाम से भंगेल के हालात बने नारकीय

भाजपा नेताओं ने विधायक से मिलकर की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले करीब दो दशक से भंगेल के लोग सीवर तथा जलापूर्ति की समस्या से परेशान हैं। प्राधिकरण में हजारों शिकायतों के बाद न तो सीवर लाइन बदली गई और न ही जलापूर्ति शुरू हो पाई।

भंगेल निवासी प्रदेश सह मीडिया प्रभारी भाजपा किसान मोर्चा अमित त्यागी ने नोएडा के विधायक पंकज सिंह से मिलकर भंगेल में सीवर और पानी की समस्या से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने बताया वर्ष 2000 से पहले सीवर डाले थे तब छोटे सीवर डाले थे। आज उस समय से 10 गुना आबादी बढ़ गई है। सीवर ओवर फ्लो कर रहे हैं तथा गंदगी निकलकर सड़क पर फैल रही है। उन्होंने विधायक से भंगेल में सीवर एवं पानी की नई लाइन डलवाने की व्यवस्था करने का आग्रह किया। अमित त्यागी ने बताया कि करीब 24 वर्ष पूर्व आबादी के हिसाब से छोटी पाइप लाइन डाली गयी थी। आज आबादी के मद्देनजर मोटे पाइप डालने की जरूरत है। विधायक पंकज सिंह ने नोएडा प्राधिकरण के जल एवं सीवर विभाग के महाप्रबंधक आर.पी0 सिंह से भी बात कर सीवर लाइन की समस्या निपटाने को कहा।

खास खबर

हसरंगा एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

कोलंबो । श्रीलंका के स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा के बाहर होने से मेजबान टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके दो प्रमुख गेंदबाज पहले से ही बाहर चल रहे हैं। स्पिनर हसरंगा से पहले चार अन्य गेंदबाज भी सीरीज से बाहर हो गये थे। हसरंगा पहले एकदिवसीय में अपने अंतिम ओवर के दौरान परेशानी का अनुभव कर रहे थे। हसरंगा की जगह जेफरी वांडरसे को टीम में जगह मिली हालांकि हसरंगा की कमी पूरी करना उनके लिए संभव नहीं होगा। मथीशा पथिराना, दिलशान मदुशंका, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा चोटिल होने के कारण पहले ही सीरीज से बाहर हो गये थे। क्रिकेट श्रीलंका के अनुसार हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण एक एकदिवसी सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची खलीफा

पेरिस । अल्जीरियाई महिला मुक्केबाज ईमान खलीफा पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। खलीफा ने महिलाओं के 66 किलो भारवर्ग में हंगरी की आना लूका हामोरी को 5-0 से हराकर एक पदक पक्का कर लिया है हालांकि जेंडर विवाद को लेकर वह सवालों के घेरे में रही हैं। खलीफा को महिलाओं के वर्ग में उतारे जाने पर विवाद भी हुआ है क्योंकि वह ट्रांसजेंडर की श्रेणी में हैं। इसके बाद भी इस मुक्केबाज ने क्वार्टर फाइनल में जबरदस्त खेल दिखाया। महिलाओं के 66 किलो भारवर्ग में उतरी खलीफा को लेकर सोशल मीडिया में भी काफी सवाल उठे हैं। लोगो ने इस मुक्केबाज को जमकर ट्रोल किया है। लूका के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मिली 5-0 की जीत के बाद यह पक्का हो गया कि अब उन्हें एक पदक मिलना तय हो गया है। महज 46 सेकंड के बाद ही इटली की मुक्केबाज ने मैच से हटने का फैसला लिया। उन्होंने महिला होने पर सवाल उठाया और कहा कि करियर में कभी भी इतनी जोर का मुक्का नहीं झेला।

क्वार्टर फाइनल में हारी मुक्केबाज लवलीना

पेरिस । भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। इस प्रकार लवलीना का लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया। 75 किलो भारवर्ग में लवलीना को चीन की ली कियान ने हराया। लगातार तीनों राउंड में लवलीना पर मिली जीत के आधार पर जज ने चीनी खिलाड़ी को 4-1 से विजयी घोषित कर दिया। पहले दौर में लवलीना के खिलाफ चीनी खिलाड़ी ने 3-2 से बढ़त बनाई जबकि दूसरे राउंड के मुकाबले में भी चीनी मुक्केबाज हावी रहीं। जज ने इस राउंड में फैसला 3-2 से चीनी खिलाड़ी के पक्ष में दिया। वहीं तीसरे राउंड के बाद 4-1 से लवलीना की हार से उनका बाहर होना पक्का हो गया। इसी के साथ ही उनको पदक मिलने की उम्मीद भी समाप्त हो गयी।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम

ब्रिटेन को पैनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया

एजेंसी

पेरिस । भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को पैनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस मैच में तय समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। इसकेबाद विजेता का फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ जिससे भारतीय टीम ने 4-2 से बाजी मार ली। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरे ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इस मैच की खास बात यह रही कि भारतीय टीम मैच के ज्यादातर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेली क्योंकि अमित रोहिदास को 17 वें मिनट में फाउल के कारण लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया था। इस मैच में पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 22वें मिनट में भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पैनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 27वें मिनट में ब्रिटेन के मॉर्टन ली ने गोल कर 1-1 से स्कोर बराबर कर दिया। इसी के साथ दूसरे क्वार्टर तक दोनों टीमें ने काफी प्रयास किया पर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में अपनी रणनीति बदली वहीं ब्रिटेन ने भी हमले तेज कर दिये पर कोई टीम गोल नहीं कर पायी। इस प्रकार तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। चौथे क्वार्टर में भारत ने रक्षात्मक अंदाज अपनाते हुए ब्रिटेन को कोई गोल नहीं करने दिया। इस प्रकार तय समय तक स्कोर 1-1 पर रहा जिसके कारण मुकाबला पैनाल्टी शूटआउट में पहुंच गया। पैनाल्टी शूटआउट में इंग्लैंड के जेम्स आल्ब्रि‍न ने पहला गोल किया। वहीं भारत की ओर से हरमनप्रीत ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं ब्रिटेन की ओर से दूसरा शूटआउट वालेस ने लिया और गोल कर टीम को 2-1 से बढ़त दिया दी। भारत के सुखजीत सिंह ने एक बार फिर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया है। इस प्रकार स्कोर 2-2 हो गया। ब्रिटेन के लिए तीसरे प्रयास में क्रोनोन आए और गोल करने में विफल रहे। वहीं भारत की ओर से ललित ने तीसरे प्रयास में गोल कर भारत की बढ़त को 3-2 तक बढ़ा दिया।

एक दशक से अधिक समय बाद धोनी से मिले जोगिंदर

एजेंसी

चंडीगढ़ । 2007 टी20 विश्वकप क्रिकेट की विजेता टीम में शामिल रहे ऑलराउंडर जोगिंदर शर्मा की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई है। इसमें वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से मिलते दिख रहे हैं। मध्यम गति के गेंदबाज रहे जोगिंदर ने साल 2004-07 के बीच 4 एकदिवसीय और टी20ई खेले थे। जोगिंदर को विश्वकप के बाद भारतीय टीम में जगह नहीं मिली और वह हरियाणा पुलिस में भर्ती को गये। आज पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बन गये हैं। जोगिंदर ने 2023 में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2017 के बाद से कोई पेशेवर क्रिकेट मैच नहीं खेला है। जोगिंदर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बहुत लंबे समय के बाद कप्तान माही से मिलकर अच्छा लगा। लगभग 12 साल बाद मिलने का आनंद ही अलग था। पाकिस्तान के खिलाफ 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में जोगिंदर ने अंतिम ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए यूनिस खान को आउट कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। तब अंतिम ओवर में पाकिस्तान को 13 रन चाहिए थे और एक विकेट बचा हुआ था और मिस्बाह उल हक खेल रहे थे। इसके बाद भी जोगिंदर ने अपनी पहली 2 गेंदों पर सात रन दिए, जिसमें मिस्बाह का छक्का भी शामिल था पर तीसरी गेंद पर पाक खिलाड़ी का कैच श्रीसंत ने लिया।

विजेंदर ने पेरिस ओलंपिक में निशांत के साथ चीटिंग के आरोप लगाये

▸ प्रशंसक भी जजों पर भड़के

एजेंसी

पेरिस । ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाज निशांत देव के साथ चीटिंग हुई है। निशांत को यहां क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। इस भारतीय मुक्केबाज को 71 किग्रा भार वर्ग में मैक्सिको के मार्को वर्डे अल्वारेज ने करीबी मुकाबले में हरा दिया था। इस मुकाबले में निशांत ने पहले राउंड में जीत हासिल की। दूसरे राउंड में भी वह हावी दिखे। उन्होंने विरोधी मुक्केबाज पर कई जोरदार प्रहार किये पर इसके बाद भी जजों ने अल्वारेज को विजेता घोषित कर दिया। 3-1 से आगे हो गए। अल्वारेज ने अंतिम राउंड में आक्रामक शुरूआत करते हुए जमकर प्रहार किये पर जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, वह धीमे होते गये। वहीं निशांत ने पंच लगाने के प्रयास किये पर वह धीमे रहे। अल्वारेज ने इसका फायदा उठाया और जीत हासिल की। निशांत की हार पर लोग भड़क गये और उन्होंने सोशल मीडिया पर जजों पर भेदभाव के आरोप लगाये। विजेंदर सिंह ने कहा कि स्कोरिंग प्रणाली क्या है ये समझ से परे है। मुझे लगता है कि यह करीबी मुकाबला रहा। निशांत ने काफी अच्छा खेला। निशांत पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर होने वाले पांचवें भारतीय मुक्केबाज रहे।

सेंट लूसिया की जूलियन ने जीता स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में दो लाख से कम आबादी वाले देश सेंट लूसिया की जूलियन अल्फ्रेड ने स्वर्ण पदक जीतकर सबको हैरान कर दिया। जूलियन ने महिलाओं की 100 मीटर रेस का फाइनल जीता। जूलियन ने ये रेस 10.72 सेकंड में ही पूरी कर ली। वह ओलंपिक में सेंट लूसिया का पहला ओलंपिक पदक है। बारिश की वजह से गीले ट्रैक पर रेस के आयोजन पर भी कई सवाल उठे हैं। वहीं अमेरिका की शाकैरी रिचर्डसन ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। अमेरिका की ही मेलिसा जेफरसन ने 10.92 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही कांस्य पदक जीता। जूलियन इससे पहले हीट राउंड में 10.95 सेकंड का समय निकालकर 5वें नंबर पर थीं। वह सेमीफाइनल में भी सबसे तेज धावक रहीं। जूलियन ने सेमीफाइनल में 10.84 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल मुकाबले में वह छठे लेन में थीं। इस स्पर्धा में अमेरिका एक बार फिर स्वर्ण पदक नहीं जीत पायी। अंतिम बार 1996 में गेल डेवर्स ने ओलंपिक में अमेरिका की ओर से इस वर्ग में जीत दर्ज की थी। जोन्स को डोपिंग के लिए, उनके 2000 के ओलंपिक स्वर्ण से हटा दिया गया था।

एक दिवसीय एसएस क्रिएशन वुडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

एजेंसी

रांची । रविवार को रांची जिला वुडबॉल संघ एव एस एस क्रिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय एस एस क्रिएशन वुडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कचहरी रोड स्थित जयपाल सिंह स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 30 बालक बालिका वुडबॉल खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर मुख्य अथिति के रूप में एस एस क्रिएशन के निदेशक बंटी श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, रोहित शाहदेव, दीप्ति शाहदेव एव अयांश शाहादेव ने विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी मेडल देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के सचिव गोविंद झा,रांची जिला वुडबॉल संघ के सचिव सह रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, जय श्रीवास्तव समेत कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

कोच मथियास ने लिया संन्यास

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारत की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की हार से निराश उनके कोच ने संन्यास की घोषणा कर दी है। इस जोड़ी के कोच कोच मथियास बोए ने कहा है कि अब मैं थक गया हूं। सात्विक-चिराग की जोड़ी को ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। मथियास ओलंपिक से पहले ही चिराग और सात्विक के कोच बने थे। डेनमार्क के बोए ने अपने संन्यास को लेकर कहा, ह्यमेरे लिए, कोचिंग के दिन यहीं खत्म हो जाते हैं, मैं कम से कम अभी भारत या कहीं और कोचिंग नहीं करूंगा। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच का काम भी बेहद तनाव भरा रहता है।

पेरिस ओलंपिक से बाहर होना मेरी कैरियर की सबसे बड़ी हार : सिंधु

▸ थोड़े समय ब्रेक लेने के बाद फिर मैदान में उतरूंगी

एजेंसी

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक के प्री क्वार्टर फाइनल में हार के बाद थोड़े समय के लिए ब्रेक लेना की घोषणा की है, क्योंकि वह अपने करियर की सबसे कड़ी हार से से एक से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा भी किया है। रियो ओलंपिक 2016 में रजत और तोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी बिंग जियाओ से हार गईं और पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई हैं। सिंधु ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- अपने भविष्य के बारे में मैं साफ कहना चाहती हूं, मैं खेलना जारी रखूंगी, थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मैं आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूं और जिस खेल से मैं बहुत प्यार करती हूं, उसे खेलने में ज्यादा आनंद ढूंढूंगी। सिंधु ने आगे लिखा-यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार में से एक है। इसे स्वीकार करने में समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मैं इसे स्वीकार कर लूंगी। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए उनकी तैयारी आदर्श नहीं थी लेकिन वहां आने के बाद उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेला। उन्होंने कहा कि पेरिस 2024 की यात्रा एक संघर्ष थी जिसमें दो साल तक चोट से जूझना और खेल से लंबे समय तक दूर रहना शामिल था। इन चुनौतियों के बावजूद यहां खड़े होकर और तीसरे ओलंपिक में अपने अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं वास्तव में अपने आपको धन्य महसूस करती हूं। सिंधु ने कहा कि मेरी टीम और मैंने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, बिना किसी पछतावे के कोर्ट पर सब कुछ किया। हैदराबाद की यह खिलाड़ी भारत की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने एक स्वर्ण और दो रजत समेत पांच विश्व चैंपियनशिप पदक जीते हैं। वह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की कई बार की पदक विजेता भी रही हैं।

स्विमिंग करते वक्त अचानक बेहोश हुई एथलीट

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में एक बड़ा हादसा होते होते टला है। महिलाओं की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले की क्वालिफाइंग हीट के बाद स्लोवाकिया की तैराक पूल किनारे बेहोश होकर गिर गईं। जैसे ही तैराक गिरीं वैसे ही उनकी सहायता के लिए चिकित्सा कर्मचारी पहुंचे। बाद में तमारा को स्ट्रेचर पर पूल के किनारे से दूर ले जाया गया। इस दौरान पोटोका को ऑक्सीजन मास्क लगाया गया था। वहीं इस घटना के बाद स्लोवाकिया के अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि पोटोक को अस्थमा का दौरा पड़ा था, और टीम के एक अधिकारी ने कहा कि उसके पास इन्हेलर नहीं था। बता दें, तमारा लंबे समय से अस्थमा की मरीज हैं। स्लोवाकिया टीम लीडर इवाना लैंग ने एक बयान में कहा,तमारा को अस्थमा है. लैंग ने आगे कहा,घबराहट और शारीरिक तनाव के चलते ऐसी परिस्थिति बनी। इस दौरान उनके पास उपयोग करने के लिए, तत्काल इन्हेलर उपलब्ध नहीं था, जिसके चलते ऐसा हुआ। इवाना लैंग ने आगे कहा,उन्हें ऑक्सीजन और आवश्यक दवाएं दी गईं. उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है. लैंग ने आगे कहा,डॉक्टर ने कहा कि उन पर कई और घंटों तक निगरानी रखी जानी चाहिए।

भारत के धुरंधर बल्लेबाज सहवाग बोले

बूढ़ा हो गया हूं अब कौन अफोर्ड करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के धुंआधार बल्लेबाज पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वह अब बूढ़े हो गए हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी मालिकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इनमें से कोई भी उन्हें अफोर्ड नहीं कर सकता। यह बात दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग की लॉन्चिंग के मौके सहवाग ने कही। उन्होंने कहा कि टी20 लीग के आने से युवाओं के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और वहां अच्छा प्रदर्शन कर वे नेशनल टीम में जगह बना सकते हैं। सहवाग ने कहा कि जब वे 18 साल के थे, तब आईपीएल जैसी कोई लीग नहीं खेली जाती थी। वीरेंद्र सहवाग ने कार्यक्रम में कई सवालों के जवाब बेबाकी से दिए। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह इस लीग में किसी टीम को कोचिंग देंगे तो उन्होंने कहा कि वह अब बूढ़े हो गए हैं। मैं इस लीग में तो नहीं खेल पाऊंगा। इस लॉन्च टीम का हिस्सा हूं इसलिए यहां हूं। मुझे नहीं लगता कि इनमें से कोई मुझे अफोर्ड कर पाएगा। दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में हिस्सा लेने वाली छह टीमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और वेस्ट दिल्ली लायंस हैं। सहवाग से पूछा कि क्या जरूरत से ज्यादा टी20 लीग के आयोजन से युवा लाल गेंद प्रारूप से दूर हो रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मेरा बड़ा बेटा 17 साल का है और उसने दिल्ली अंडर 16 के लिए तीन दिवसीय क्रिकेट खेला, लेकिन ऐसे बहुत से लड़के हैं जो उस मौके का इंतजार कर रहे होंगे।

मप्र राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में इन्दौर के खिलाड़ियों का दबदबा

एजेंसी

इन्दौर । मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वाधान में आयोजित प्रथम म.प्र. राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में बालक एवं बालिका वर्गों में इन्दौर के खिलाड़ियों का दबदबा बना हुआ है। इन्दौर की अनुषा कुटुम्बले, पूजा शर्मा, भाव्या राव व ग्वालियर की हिमानी चतुर्वेदी ने महिला एकल के सेमीफायनल में जगह बना ली है।

अभय प्रशाल में खेली जा रही इस स्पर्धा के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में अनुषा कुटुम्बले (इन्दौर) ने परमी नागदवे (भोपाल) को 4-0 से, हिमानी चतुर्वेदी (ग्वालियर) ने भाग्यश्री दवे (इन्दौर) को 4-0 से, पूजा शर्मा (इन्दौर) ने सुमैया सुल्तान (इन्दौर) को 4-0 से, भव्या राव (इन्दौर) ने जाकिया सुल्तान (इन्दौर) को 4-3 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, बालिका अंडर-11 आयु वर्ग के क्वार्टर फाईनल मुकाबलों में आरवी जैन (इन्दौर) ने नायशा बांकड़ा (इन्दौर) को 3-2 से, अंकिता महेश्वरी (इन्दौर) ने नव्या चतुर्वेदी (ग्वालियर) को 3-0 से, सान्वी सिंघल (इन्दौर) ने खुशी बघेल (भोपाल) को 3-0 से, एकलाक्षी देशमुख (इन्दौर) ने आराध्या मित्तल (शिवपुरी) को 3-0 से पराजित कर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। बालक अंडर-11 आयु वर्ग के क्वार्टर फाईनल के मुकाबलों में पुण्यांश जैन (इन्दौर) ने परमप्रत घोष (इन्दौर) को 3-0 से, मानव शाह (इन्दौर) ने विराज मित्तल (इन्दौर) को 3-0 से, साकार भार्गव (इन्दौर) ने कुशाग्र कनोजिया (भोपाल) को 3-0 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सौम्य, मृदुल, यश, रिदम, भव्यांश, आराध्य व अबु बकर क्वार्टर फायनल में पहुंचे ।

बालक अंडर-19 आयु वर्ग के प्री-क्वार्टर फाईनल के मुकाबलों में सौम्य जुनेजा (इन्दौर) ने नैतिक करदीकर (इन्दौर) को 3-0 से, मृदुल जोशी (इन्दौर) ने प्रज्जवल यादव (इन्दौर) को 3-0 से, यश अग्रवाल (इन्दौर) ने लक्ष्य ओझा (इन्दौर) को 3-1 से, रिदम गड़िया (इन्दौर) ने अवीर राठी (इन्दौर) को 3-0 से, भव्यांश कोठारी (इन्दौर) ने देवांश त्रिपाठी (सतना) को 3-0 से, आराध्य वेद (इन्दौर) ने प्रशांत आंजना (उज्जैन) को 3-1 से, अबु बकर शेख (इन्दौर) ने आयान टेकवारिया (इन्दौर) को 3-0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बालक अंडर-15 आयु वर्ग के प्री-क्वार्टर फाईनल में मुकाबलों में आर्जव बाकलीवाल (इन्दौर) ने राघव गुप्ता (इन्दौर) को 3-2 से, मृदुल पुरोहित (इन्दौर) ने प्रज्जवल यादव (इन्दौर) को 3-1 से, रिदम गाड़िया (इन्दौर) ने ह्युमानी दत्ता (इन्दौर) को 3-0 से, शौर्य भागिया (इन्दौर) ने रक्षत चावड़ा (इन्दौर) को 3-0 से, अथर्व सिंह (इन्दौर) ने लक्ष्य भदौरिया (इन्दौर) को 3-0 से, हर्षित बघेल (भोपाल) ने दक्ष महेश्वरी (इन्दौर) को 3-0 से, वंश चौहान (इन्दौर) ने वियान राजीव (भोपाल) को 3-0 से, मृदुल जोशी (इन्दौर) ने पुण्यांश जैन (इन्दौर) को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

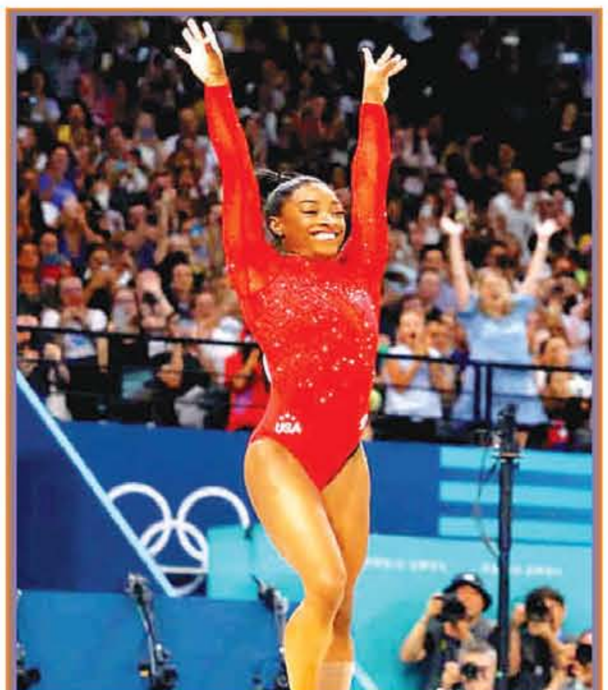

पेरिस में महिलाओं की पोल वाल्स में भाग लेती हुई शिमोन बाइल्स।

दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर भारतीय संस्कृति को अपने आप में समेटे हुए हैं। इसका वैभव, बेहतरीन शिल्प और परम आनंद का अनुभव इस मंदिर की ओर आकर्षित करता हैं। इस मंदिर का दर्शन हमें भारत की श्रेष्ठ और प्रसिद्ध कला की याद दिलाता हैं। अक्षरधाम मंदिर पर्यटकों को भारत की प्रसिद्ध कला की यात्रा पर ले जाता हैं। इसे स्वामीनारायण अक्षरधाम के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन मूल्यों और मानव सभ्यता के विकास में भागीदारी का जीता जागता उदाहरण हैं- अक्षरधाम मंदिर।

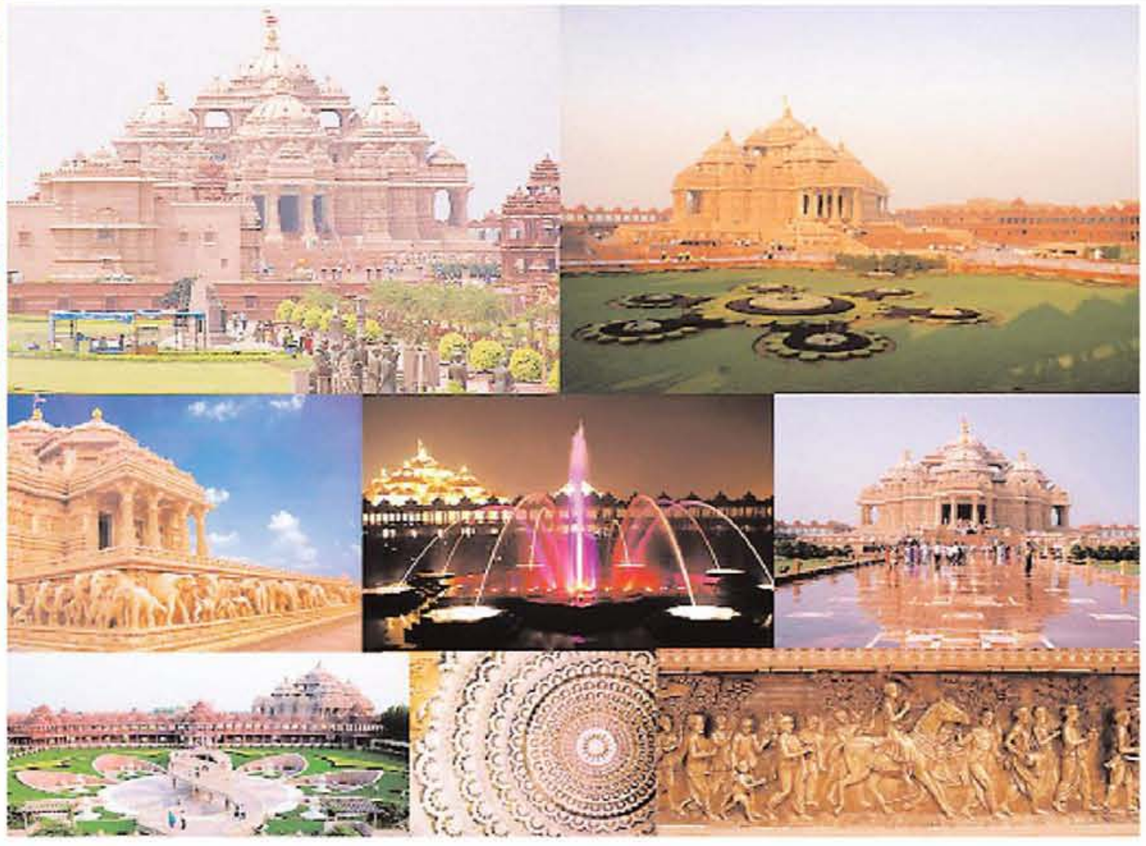

अपने शिल्प सौंदर्य से मन मोह लेता है अक्षरधाम

कुछ बरस पहले इस मंदिर को निर्माण शुरू हुआ तो यह सभी के लिए कौतुहल का विषय था। धीरे-धीरे इसका निर्माण होता गया और एक दिन अपने शिल्प सौंदर्य से सभी को मोहित कर लिया। प्रमुख स्वामी महाराज जी अक्षर पुरूषोतम् स्वामीनारायण संस्था, ग्यारह हजार कलाकार और हजारों स्वयंसेवकों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वामीनारायण भगवान को समर्पित यह पांरपरिक मंदिर भारतीय ऐतिहासिक कला, संस्कृति और वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है।

निकंठ बरनी अभिषेक

इस मंदिर में यह प्रार्थना पारंपरिक ढंग से दुनिया की शांति के लिए की जाती है। 151 पवित्र नदियों का पानी, झील और तालाब के पानी से अपने, परिवार और दोस्तों के लिए प्रार्थना की जाती है। मंदिर में मौजूद तीन हाल में अलग-अलग जीवन के मूल्यों को सिखाया जाता है। हाल-एक में मानव मूल्यों को फिल्म और रोबोट द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं। इनमें अहिंसा, ईमानदारी, पारिवारिक सामंजस्य और आध्यात्मिकता का प्रतिरूप दिखाया जाता हैं।

हाल नंबर दो में ग्यारह साल के योगी नीलकंठ द्वारा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता की अविश्वसनीय कहानियां सुनने को मिलती है। यहां भारतीय वास्तुकला और कला का बेहतरीन और कभी न भूलने वाला अनुभव होता हैं। यह हमारे त्योहारों को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करता है। उन्हें समझने में मदद करता हैं।

हाल- तीन के कल्चरल बोट राइड में भारत के दस हजार साल की विरासतको खूबसूरती से दर्शाया गया हैं। भारत के ऋषि वैज्ञानिकों के अविष्कार और प्रयोग के बारे में जानने को मिलता है। शाम के समय यहां आप संगीतमय फव्वारे का पंद्रह मिनट का आनंद ले सकते हैं। यहां जन्म, जीवन और मृत्यु को दर्शानिक तरीके से चित्रित किया गया हैं। 60 एकड़ में फैला यहां का बगीचा मैदान और तांबे की मूर्तियां दर्शनीय हैं। यहां का लोटस गार्डन भी ध्यान आकर्षित करता हैं। अक्षरधाम मंदिर कलाकृति और खूबसूरती का बेमिसाल उदाहरण है। आप यहां सुबह 9.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक जा सकते हैं। यहां किसी भी मौसम में जाया जा सकता हैं। सोमवार को यह मंदिर बंद होता है। मोबाइल फोन ले जाना और फोटो खींचना यहां मना है।

कन्याकुमारी, जहाँ मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं।

कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रात: चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चोई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

शानदार धरोहर है हुमायूं का मकबरा

भारत में मुगल शासन की नींव रखने वाले हुमायूं को लोग आज भी उनकी राजशाही ठाठबाट से नहीं बल्कि हुमायूं के मकबरे से ज्यादा याद करते हैं। दिल्ली स्थित यह मकबरा मुगल धरोहरों में सबसे शानदार धरोहर है। यह मकबरा भारत में मुगल वास्तुकला का पहला उदाहरण है। इस मकबरे के बनने के कई शताब्दी बाद इसी तर्ज पर ताजमहल का निर्माण हुआ। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की पत्नी हमीदा बानु बेगम ने अपने पति की मौत के नौ साल बाद शुरू करवाया। यह फारस की वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है। इसके आगे बने बगीचे को चहारबाग कहते हैं। यह बगीचा चार मुख्य भागों में विभाजित है जहां से लोगों का आना जाना होता है। इन रास्तों को खूबसूरत बनाने के लिए बहते पानी का रास्ता बनाया गया है। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच कई मुगल शासकों को इसी मकबरे में दफनाया गया था। हुमायूं के इस मकबरे को नेक्रोपोलीस (मृत शरीर से प्रेम) नाम भी दिया गया है। भारत के किसी भी शहर में मुगल शासकों और उनके रिश्तेदारों के इतनी कब्र कहीं देखने को नहीं मिलती। भारतीय उपमहाद्वीप में यह पहला ऐसा मकबरा है। हुमायूं के मकबरे का निर्माण लाल पत्थर से किया गया है। दो मंजिला यह मकबरा सफेद मार्बल के गुबंद से ढंका हुआ है, जो देखने में आकर्षक है। इस मकबरे की ऊंचाई 47 मीटर और चौड़ाई 91 मीटर है। वहां के गलियारे, खिड़की में भी फारसी वास्तुकला झलकती है। कुछ जगहों पर भारतीय शैली की भी झलक देखी जा सकती है। कुल मिलाकर यहां 150 कब्र हैं जो चारों तरफ से गार्डन से घिरी हैं। इस मकबरे के बनने के बाद ही इसका पतन शुरू हो गया था। मुगल बादशाहत जैसे-जैसे खत्म हुई उनके बनाए स्मारकों का भी पतन होना शुरू हो गया। मकबरे की आसपास बने बगीचे में लोगों ने सब्जियां उगानी शुरू कर दीं। 1857 में ब्रिटिश ने इंगलिश स्टाइल गार्डन बनाया। 1903-1909 के बीच इस बगीचे को अपनी खोयी हुई असली खूबसूरती लार्ड कर्जन से मिली। अभी कुछ साल पहले मकबरे का पुनरूद्धार होने के बाद से इसकी चमक अब देखने लायक है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर माना है। इस मकबरे की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए इस पर काफी काम किया गया है। इसकी शान-ओ-शौकत अब देखने लायक है। हुमायूं के मकबरे को देखने कभी भी जाया जा सकता है। दिल्ली आने पर टैक्सी या आटो से यहां आप पहुंच सकते हैं। बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क है। परिसर के बाहर पार्किंग की अच्छी व्यवस्था है। जलपान और शीतल पेय के लिए भी भटकना नहीं पड़ता। परिसर के एक किनारे इसका भी इंतजाम हैं।

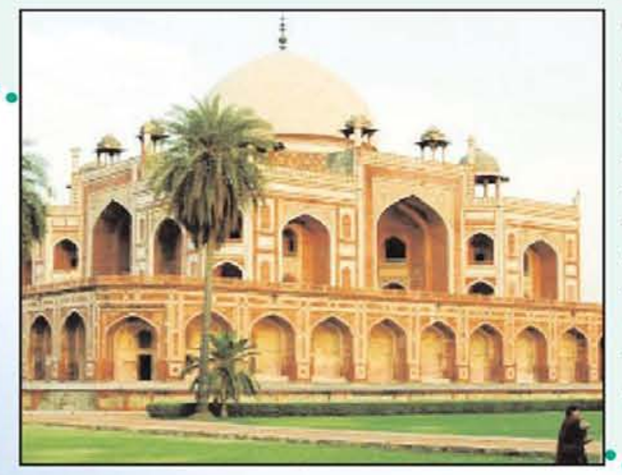

औरों में कहाँ दम था ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर तोड़ा दम, नहीं निकल सकती लागत

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम था' शुक्रवार 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को लेकर लंबे समय से हाइफ क्रिएट की जा रही थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत काफी कमजोर रही। अजय और तब्बू की जोड़ी दर्शकों के खासी लोकप्रिय है और दर्शक इस जोड़ी को देखना पसन्द करते हैं, लेकिन इस बार लगता है कि उनका जादू नहीं चल पाया। फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। बजट के हिसाब से देखा जाए तो इसका कलेक्शन काफी कम रहा। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर मात्र 2 करोड़ रुपए कमाए हैं। फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपए के करीब बताया जा रहा है। जानकारों का मानना था कि फिल्म को करीब 5-6 करोड़ रुपए की ओपनिंग तो मिलनी चाहिए थी। इसके बावजूद उम्मीद की जा रही है कि शनिवार और रविवार को इसके कारोबार में सुधार होगा। अब यह सुधार कितना होगा यह तो नहीं कहा जा सकता है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि अपने पहले वीकेंड में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ तक का कारोबार करने में कामयाब हो जाएगी। इस हिसाब से देखा जाए तो अजय देवगन की औरों में कहाँ दम इस वर्ष की पहली बड़ी असफल फिल्म होगी, क्योंकि अजय की इससे पहले इस साल आई दो फिल्मों ने अपने पहले दिन इसकी तुलना में कहीं अच्छा बिजनेस किया था। अजय की माधवन के साथ आई फिल्म 'शैतान' को तो बहुत अच्छा रिस्पोंस मिला था। इसने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए बटोरे थे। फिल्म ने ओवरऑल 200 करोड़ से ज्यादा कमाए थे।

अरिजीत ने पोस्टपोन किया लाइव कॉन्सर्ट

अरिजीत सिंह वर्तमान समय में हिन्दी फिल्म उद्योग के बेहतरीन गायकों में शुमार हैं। कमोबेश हर संगीतकार अपना संगीतबद्ध गीत अरिजीत सिंह से गवाना पसन्द करता है। फिल्मों में गीत गाने के साथ-साथ अरिजीत स्टेज पर भी अपनी परफार्मस देते रहते हैं। ऐसा ही उनका एक लाइव कॉन्सर्ट 11 अगस्त को ब्रिटेन में होने वाला था, लेकिन बताया जा रहा है कि उन्होंने इस कॉन्सर्ट को पोस्टपोन कर दिया है। इसका कारण उन्होंने यह बताया है कि उनका स्वास्थ्य सही नहीं है, जिसके चलते वे इस कॉन्सर्ट की तैयारी नहीं कर सकते हैं। अरिजीत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, डियर फैंस, मुझे ये बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अचानक से मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ गई है, जिसकी वजह से मुझे मजबूरन अगस्त के कॉन्सर्ट को पोस्टपोन करना पड़ा। मैं जानता हूं कि आप बेसब्री से इन शोज का इंतजार कर रहे थे और मैं इसे पोस्टपोन करने के लिए तहेदिल से माफी मांगता हूं। आपका प्यार और सपोर्ट मुझे ताकत देगा। आइए इस विराम को और भी जादुई री-यूनियन के वादे में बदल दें। इस कॉन्सर्ट की नई डेट 15 सितंबर को (लंदन), 16 सितंबर (बर्मिंघम), 19 सितंबर (रॉटरडैम) और 22 सितंबर (मैनचेस्टर) है। अभी खरीदे गए टिकट तब वैलिड रहेंगे। अरिजीत ने इसके साथ ही फैंस को थैंक्स बोला।

मैं यहां जीतने आई थी और जीत गई

देश के सबसे लोकप्रिय शो बिग बॉस के ओटीटी संस्करण के तीसरे सीजन का समापन हो गया। इस शो को सना मकबूल ने यह शो जीत लिया है। सितारों से सजे फिनाले इवेंट में अनिल कपूर ने विजेता के रूप में सना के नाम की घोषणा की। मुखर से अपनी बात रखने और रणनीतिक खेल के लिए जानी जाने वाली सना मकबूल ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी और 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार जीता। शो की विजेता बनने के बाद एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में सना ने बिग बॉस के घर के अंदर के अपने अनुभव साझा की। साथ ही, उन्होंने शो में होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि बिग बॉस के घर में मिली-जुली भावनाएं होती हैं। सना ने कहा, पहले दो हफ्ते सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, चीजें बदलती चली जाती हैं। जो लोग साथ बैठते थे वे आपके बारे में बुरा-भला कहने लगते हैं और जो साथ नहीं बैठते वे आपकी पीठ पीछे और भी ज्यादा बातें करने लगते हैं। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा आया जब मैं बिल्कुल अकेली रह गई। घर में अलग-अलग समूह बनने लगे। फिर एक पल ऐसा आया जब मेरे दोस्त दूर होने लगे और ऐसा लगा कि मेरे जो दोस्त थे, जो मुझे समझते थे, मुझे लाड़-प्यार करते थे और मुझे हंसाते थे, वे अब नहीं रहे। उनके साथ रहना, उनके साथ खाना-पीना अच्छा लगता था। मेरे लिए कुछ और मायने नहीं रखता था, क्योंकि ये चार लोग मेरे साथ थे, लेकिन जैसे-जैसे वे जाने लगे, यह और भी बुरा लगने लगा और घर मेरे खिलाफ होता चला गया। लेकिन मुझे लगता है कि यह मेरी दृढ़ इच्छाशक्ति थी कि आपको हार नहीं माननी चाहिए और मैं बहुत केंद्रित थी। कई बार अलग-थलग महसूस करने के बावजूद सना अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहीं। इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं यहां जीतने के लिए आई थी और मैंने जीत हासिल की। अपने प्रशंसकों और साथी प्रतियोगियों के समर्थन उन्होंने दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे प्यार करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे जिद्दी सना से जिद्दी विजेता सना में बदल दिया है। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय रैपर नैजी को दिया, जिन्होंने उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास किया। फिनाले में रैपर नैजी, अभिनेता रणवीर शौरी और साई केतन राव और कंटेंट क्रिएटर कृतिका मलिक सहित अन्य फाइनलिस्ट भी शामिल थे। नैजी दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रणवीर को तीसरे स्थान पर संतुष्ट होना पड़ा।

कल्कि 2898 एडी की सफलता के लिए दीपिका ने जताया आभार

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफलता के झंडे गाड़ रही है। फिल्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद हाल ही में दीपिका पादुकोण ने अपने फैंस के साथ वर्चुअली रूप से जुड़ीं। उन्होंने फिल्म को दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। कैजुअल लुक में डेनिम जैकेट पहने दीपिका फैंस के साथ जुड़कर बेहद खुश नजर आईं।

फैंस से बातचीत कर खुश हुई दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने फैंस से बातचीत के दौरान सवालों का जवाब देते हुए बातचीत में गर्मजोशी ला दी। इस दौरान फैंस के प्रति अभिनेत्री का भरपूर प्यार देखने को मिला। उनके उिस स्वभाव से उनके प्रशंसकों के चेहरे पर भी मुस्कान खिल उठी। सभी फैंस ने दीपिका को एक के बाद एक बड़ी सफल फिल्में देने के लिए उनको बधाई देना शुरू कर दिया। अभिनेत्री ने फैंस के साथ अपने शानदर पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया है।

लगातार कई सफल फिल्में दे चुकीं दीपिका पठान, जवान, फाइटर और अब कल्कि 2898 एडी समेत दीपिका पादुकोण ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई सफल फिल्में दी हैं। उनकी ये सफलताएं उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित करती हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित कल्कि 2898 एडी को एक मेगा ब्लॉकबस्टर के रूप में सराहा गया है। फिल्म में अभिनेत्री मे गर्भती महिला का किरदार निभाया है। फिल्म में दीपिका के साथ प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी नजर आई हैं।

लेडी सिंघम के किरदार में आएंगी नजर

दीपिका इन दिनों अपनी प्रेगनेंसी को एंजॉय कर रही हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण सितंबर में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की उम्मीद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली की राहें हुईं जुदा?

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली नंदा के बीते लंबे समय से रिश्ते में होने की अफवाहें हैं। लेकिन, न तो कभी सिद्धांत और न ही कभी नव्या ने अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। हालांकि, दोनों को कई दफा साथ में स्पॉट किया गया। वहीं, इनके कथित रिश्ते की फुसफुसाहट तब शुरू हुई जब दोनों ने एक-दूसरे के सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणियों का आदान-प्रदान करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब इस कथित जोड़ी के प्रशंसकों के लिए दुखद खबर सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दोनों अब अलग हो गए हैं और ब्रेकअप पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण था। साथ ही दो परिपक्व वयस्कों की तरह, दोनों एक-दूसरे के दोस्त बने रहेंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, ब्रेकअप की अफवाह ने उनके प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया है कि वास्तव में उनके रिश्ते में क्या गलत हुआ कि उन्हें ब्रेकअप का निर्णय लेना पड़ा। हालांकि, न तो सिद्धांत और न ही नव्या ने सार्वजनिक रूप से ब्रेकअप की पुष्टि की है, लेकिन उनकी हालिया सोशल मीडिया गतिविधि से उनके बीच दूरी का पता चलता है। उनके ब्रेकअप की खबर ने प्रशंसकों को निराश कर दिया है, लेकिन वे इस जोड़े को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि वह सिंगल नहीं हैं और किसी को डेट कर रहे हैं। वह लड़की फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हुई है लेकिन कोई अभिनेत्री नहीं है। सिद्धांत की पुरानी बातों का इशारा भी नव्या की तरफ जा रहा था। एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि दोनों अपने रिश्ते को लेकर काफी ज्यादा सीरियस हैं। ऐसे में सामने आई दोनों के ब्रेकअप की खबर ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। काम के मोर्चे पर, सिद्धांत चतुर्वेदी अब बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 में दिखाई देंगे। उनके अलावा, फिल्म में खूबसूरत अभिनेत्री तृप्ति डिमरी भी होंगी। फिल्म का निर्देशन जहां शाजिया इकबाल कर रही हैं। वहीं इसका निर्माण करण जौहर, उमेश केआर बंसल, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता, मीनू अरोरा और सोमेन मिश्रा कर रहे हैं।

वेब सीरीजचंगेज में राजस्थानी किरदार निभाएंगे समर्थ जुरेल

टीवी अभिनेता समर्थ जुरेल के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। समर्थ जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज होने वाली है, जिसे इसी साल रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, समर्थ जुरेल जिस वेब सीरीज में अभिनय करते दिखेंगे, उसका नाम चंगेज है। इसका निर्देशन जजविंदर सोढ़ी द्वारा किया जा रहा है। इसकी कहानी एक गैंगस्टर पर आधारित है। कहा जा रहा है कि समर्थ राजस्थानी रोल में दिखाई देंगे। वेब सीरीज चंगेज में समर्थ जुरेल के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता यशपाल शर्मा भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इन दोनों के अलावा चित्तरंजन त्रिपाठी और उज्वल चोपड़ा भी इसमें काम करते हुए दिखेंगे। फिलहाल सीरीज के मुख्य कलाकारों के बारे में खुलासा होना बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही आधिकारिक तौर पर पूरी स्टारकास्ट के बारे में जानकारी दे दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, चंगेज की टीम ने हाल ही में, अपने चंडीगढ़ शेड्यूल का काम खत्म किया है। इसकी शूटिंग काफी पहले से चल रही थी और अब बचे हुए हिस्सों को फिल्माने का काम किया जाएगा। कहा जा रहा है कि बची हुई शूटिंग को मुंबई में पूरा किया जाएगा। मालूम हो कि समर्थ जुरेल टीवी शो उडारियां और मैत्री में काम कर चुके हैं।

गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से आखिर क्यों शादी नहीं करना चाहते अर्जुन रामपाल, बताई वजह!

अर्जुन रामपाल इन दिनों फिल्मों से कम और अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में ज्यादा रहते हैं। इससे पहले अर्जुन ने मेहर जेसिया के साथ अपनी असफल शादी के बारे में कई बाते बताई थीं। अब अर्जुन ने अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के साथ उनके रिश्ते के बारे में खुलकर बातचीत की है। साथ ही अर्जुन ने शादी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया बताई, कि आखिर वो क्यों अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से शादी नहीं करना चाहते हैं। बता दें अर्जुन पिछले पांच सालों से गैब्रिएला को डेट कर रहे हैं। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने अपने रिश्ते के लिए गैर-पारंपरिक रास्ता चुना है। यह जोड़ा तकरीबन पिछले पांच सालों से साथ में है और उनके दो बेटे भी हैं, लेकिन उन्होंने शादी करने का विकल्प ही नहीं चुना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन रामपाल ने एक नए इंटरव्यू के दौरान कहा, शादी लोगों को बदल सकती है। आखिरकार एक कागज का टुकड़ा ही है। इसके साथ ही अर्जुन ने कहा कि उनके दिमाग में वह पहले से ही गैब्रिएला से शादीशुदा हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने एक शो के दौरान कहा, यह मैं नहीं हूं, यह वह नहीं है। शादी क्या है? आखिर एक कागज का टुकड़ा ही तो है। मुझे लगता है कि हम पहले से ही शादीशुदा हैं और इस बारे में मेरे मन में कोई संदेह नहीं है। लेकिन, कभी-कभी शादी का कागज का टुकड़ा भी आपको बदल सकता है। क्योंकि ऐसा लगता है कि यह स्थायी है, वास्तव में यह एक गलत धारणा है, लेकिन आप कानूनी रूप से बंधे हुए हैं।

आगे अर्जुन ने यह भी कहा, शादी एक-दूसरे के प्रति आपके नजरिए को बदल सकता है। मुझे लगता है कि हम दोनों ऐसा ही महसूस करते हैं। हमारे बीच जो कुछ भी हुआ वह बहुत स्वाभाविक है। मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता क्योंकि मैं इसे बदकिस्मत नहीं बनाना चाहता। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी के सामने इसे सही ठहराने की जरूरत है। हमारे लिए, यह खूबसूरत है। आपको इसे जितना हो सके उतना लंबे समय तक अनुभव करना चाहिए। हम दोनों के मन में हम दोनों ही एक-दूसरे से शादीशुदा हैं। हम दोनों एक-दूसरे को सही दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं और साथ ही हम बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने आगे यह भी कहा कि वह शादी के खिलाफ नहीं हैं। आगे अर्जुन ने कहा, मैं किसी को यह सलाह नहीं दे रहा हूं और ना ही आपको शादी के खिलाफ जाने के लिए कह रहा हूं। हो सकता है कि हम शादी कर लें। आप कभी नहीं जानते। अर्जुन ने पहले मेहर जेसिया से शादी की थी, उनकी शादी तकरीबन 20 साल तक चली। इस शादी से उनकी दो बेटियां हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने अपने तलाक के बारे में बात करते हुए मेहर से अलग होने की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ली।

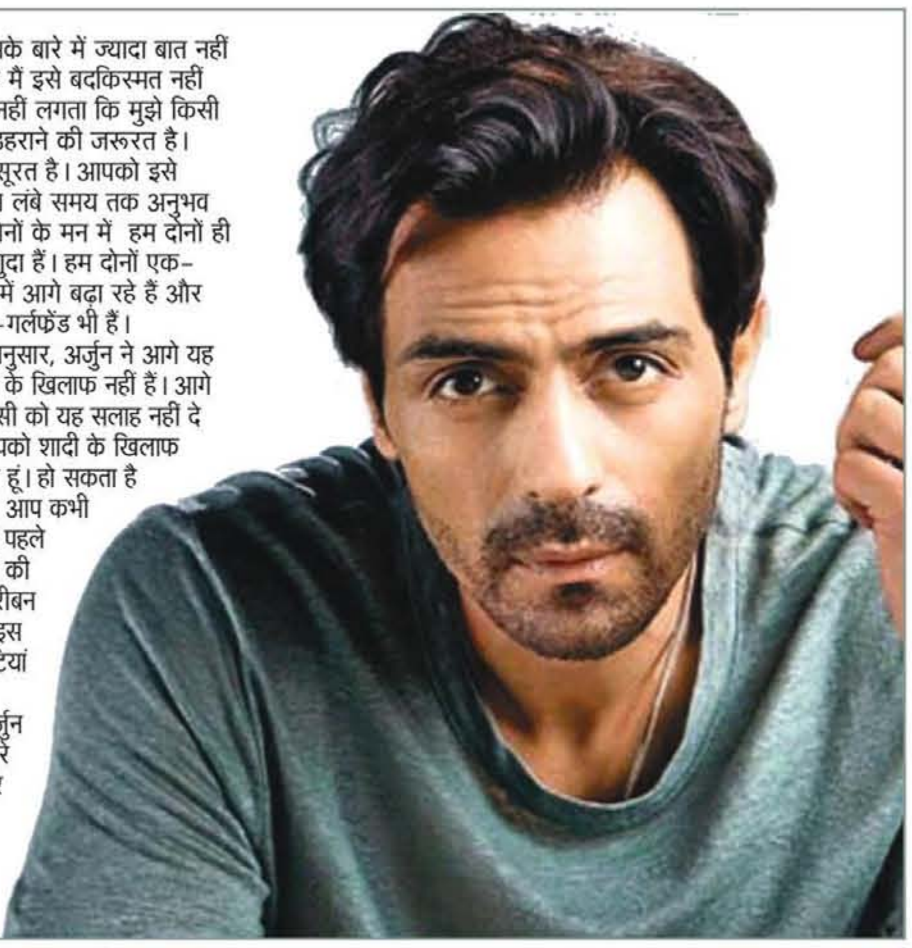

माताएं व बच्चे सशक्त होंगे तभी देश सशक्त होगा: आनंदीबेन पटेल

बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल ने पहला एआई आंगनबाडी का किया शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा में स्थित स्पर्श ग्लोबल बिजनेस

स्कूल का स्थापना दिवस के रूप में मेटमोर्फोसिस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर स्थापना दिवस का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने सम्बोधन में जमीनी स्तर और मूल्य आधारित शिक्षा से सीखने के महत्व और हमारे राष्ट्र पर सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा व्यक्त करने पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से हमेशा एक सकारात्मक विरासत छोड़ने के आकांक्षा रखने का आग्रह किया और अगले कुछ दशकों में युवाओं के लिए भारत में मौजूद महान संभावनाओं और अवसरों पर जोर दिया। उन्होंने कहा आंगनवाड़ी केन्द्रों में कराये जा रहे सुधारों और डिजिटलीकरण के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाऐं देती है। देश की पहली ए.आई आंगनवाड़ी का शुभारम्भ हुआ है, इससे बच्चों को और बेहतर शिक्षा व जानकारी प्राप्त होगी।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के साथ—साथ महिलाऐं भी कुपोषित है, जब हमारी माताएं सशक्त बनेगी तो हमारे बच्चे भी सशक्त बनेंगे, तभी देश भी सशक्त बनेगा। हमें आंगनवाड़ी सहित अन्य के माध्यम से जानना चाहिए कि गर्भवती महिलाऐं जहां भी कार्य कर रही हो, चाहे वह घरों, कम्पनी, गोदाम, कारखाना, मजदूरी सहित अन्य जगह काम कर रही हो, हमें उन लोगों तक संदेश पहुंचना है कि वे किसी ना किसी रूप में गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार प्रदान करें, जिससे की वह स्वयं सक्षम व मजबूत हो सके और एक स्वस्थ्य बच्चे का जन्म दे सकें।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, विधायक तेजपाल नागर, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी,बोर्ड आफ गवर्नर्स, अकादमी काउंसिल के सदस्यों, कॉर्पोरेट पार्टनर्स और अभिभावकों उपस्थित रहे।

जिम्स के न्यू बोर्न केयर यूनिट व आयुर्योग एक्सपो का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री लोक निर्माण विभागध/जनपद के प्रभारी सम्मिलित हुये। प्रभारी मंत्री ने आयुर्योग एक्सपो कार्यक्रम–2024 का दीप प्रज्वलित करते हुये

मंत्री बृजेश सिंह ने जनपद भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा में स्थापित सिक न्यूबोर्न केयर यूनिट पहुंचे। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में बने एस.एन.सी.यू शिलापट का लोकार्पण किया। उसके बाद फीता काटकर सिक न्यूबोर्न केयर यूनिट का शुभारम्भ किया।

राज्य मंत्री की अध्यक्षता में जिम्स के सभाकक्ष में बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें राजकीय आयुर्विज्ञान संथान निदेशक डॉ(ब्रिगेडियर) राकेश गुप्ता द्वारा पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जिम्स के स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पताल में स्टाफ एवं चिकित्सा की आवश्यकता आदि के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा, लोक निर्माण विभाग के सम्बन्धित अधिकारीग, चिकित्सकगण तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकार्पण कार्यक्रम के उपरान्त प्रभारी मंत्री मुख्य अतिथि के रूप इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित आयुर्योग एक्सपो कार्यक्रम–2024 में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। शुभारंभ अवसर पर प्रेजिडेंट एडवाइजरी कमिशन आयुर्योग एक्सपो पदम श्री प्राप्त गुरू डीआरएचआर नागेन्द्र, चेयमेन आईईएमएल डा0 राकेश कुमार, फेयर प्रेजिडेंट आयुर्योग एक्सपो डा0 नितिन अग्रवाल, चेयरमेन नेशनल मेडिकल कमिश्नर डा0 बीएन गंगाधर, फाउन्डर विश्वा आयुर्वेदा मिशन डा0 जीएस तोमर, फाउन्डर दिव्य प्रेम सेवा मिशन डा0 आशीष गौतम, फाउन्डर आईएमए आयुष डा0 आर एस चौहान, सेक्रेटरी आयुष गवर्नमेंट ऑफ हिमाचल प्रदेश संदीप कुमार आईएएस उपस्थित रहे।

यीडा के आवासीय स्कीम के आवेदन की तिथि 23 अगस्त तक बढ़ी

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। यमुना विकास प्राधिकरण ने आवासीय स्कीम की तिथि बढ़ाकर अब 23 अगस्त कर दी गई है।

यमुना विकास प्राधिकरण में अपने आवासीय स्कीम मे आवेदन करने वाले लोगों की सहूलियत को देखते हुए की प्लॉट स्कीम में आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। आज आवेदन की अंतिम तिथि इसे बढ़ाकर 23 अगस्त तक कर दिया गया है। इसके साथ ही 20 सितंबर को होने वाले लकी ड्रा के लिए भी तारीख बढ़ाकर 10 अक्तूबर कर दी गई है। योजना के तहत अब तक एक लाख फॉर्म बिक चुके हैं।

दरअसल, पांच जुलाई को यीडा के आवासीय सेक्टर 16, 18, 20 और 22डी में सात अलग अलग श्रेणियों में 361 भूखंडों पर योजना शुरू की थी। इसके तहत पांच अगस्त तक पंजीकरण किए जाने थे। योजना में एक महीने में करीब एक लाख फॉर्म बिक चुके हैं। इनमें से ज्यादातर आवेदक पंजीकरण के दौरान जमा होने वाली 10 प्रतिशत राशि भी जमा कर चुके हैं। हर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत राशि के अलग मापदंड तय किए गए हैं। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि आवेदकों की मांग पर आवेदन की अंतिम तिथि 23 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। अब 10 अक्तूबर को ड्रा निकाला जाएगा

विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से छात्राओं को किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद न्यायधीश, गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में विगत दिवस सिविल जज जूडि एफटीसी गौतमबुद्धनगर प्रभात कुमार की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नोएडा में छात्राओं के मध्य किया गया।

शिविर में सिविल जज जूडि एफटीसी गौतमबुद्धनगर प्रभात कुमार द्वारा छात्राओं को पॉश एक्ट तथा शिक्षा का अधिकार, गुड टच बेड टच, भारत के संविधान में दिए गए अधिकार एवं कर्तव्यों के संबंध मे जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

शिविर में सिविल जज जूडि एफटीसी गौतमबुद्धनगर प्रभात कुमार के साथ प्रधानाचार्या दीपा भाटी, दीपा जैन मध्यस्थ व अधिवक्ता अर्चना सिंह, मीनू, संगीता चौहान व डा0 नीता दुबे के साथ अधिक सख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

श्री राम हनुमान सेवा समिति की मासिक बैठक संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भूलेराम यादन ने तथा संचालन समिति संस्थापक अनिल मास्टर ने किया।

बैठक में चर्चा हुई कि 1 अगस्त को 108वीं हनुमान चालीसा मेंहदीपुर बालाजी में होनी है जिसके बाद भंडारे और उसका समापन होगा। बैठक में बस के लिए प्रभारी और सहप्रभारी समिति ने बनाये है। इस मौके पर मुक्ता नन्द प्रधान राष्ट्रीय अध्यक्ष राम निवास यादव राष्ट्रीय सचिव, एनसीआर अध्यक्ष अशोक यादव, आदेशनंबरदार, भूलेराम यादव, सतपाल यादव, राकेश यादव (कोषाध्यक्ष)शिवचरण फ़ौज़ी, शक्ति सिंह, दीपक शर्मा, कोसिंदर यादव, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनोज शर्मा, पूर्णिमा, सीमा, काजल, बबीता, सुनील दत्त शर्मा, रामगोपाल शर्मा, उदयपाल यादव, सौरभ यादव, गणेश बैरागी आदि संख्या में उपस्थित रहे।

दो नामी कंपनियों का चेक हुआ बाउंस, मुकदमा दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-63 स्थित दो कंपनियों पर गुजरात के वडोदरा की एक कंपनी के 63,96,611 रुपये हड़पने का आरोप लगा है। कंपनी की ओर से दोनों कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

गुजरात के वडोदरा के राधेश्याम सिंह तोमर ने दर्ज कराई एफआईआर में कहा है कि वह स्टानर्डड सिक्योरिटी एंड मेन पॉवर सोल्यूसंश नामक कंपनी में मेन पॉवर, सुरक्षाकर्मी और पे रोल प्रबंधन का काम करते हैं। उन्होंने नोएडा स्थित दो कंपनी सेक्टर-63 स्थित आरव इंटरनेशनल और शगुन क्रिएशन के साथ रोल प्रबंधन का काम किया था। दोनों कंपनियों ने उन्हें वर्क ऑर्डर की शर्तों के अनुसार सर्विस चार्ज के साथ निर्धारित अवधि में रुपये देने का वादा किया था। शर्तों के अनुसार उनके कर्मचारियों के खातों में 49,28,053 रुपये ट्रांसफर किए थे। इसके अलावा 9,75,753 रुपये जीएसटी और 4,92,805 रुपये सर्विस चार्ज बना। इस वर्क ऑर्डर के अनुसार कुल 63,96,611 रुपये निर्धारित अवधि में दोनों कंपनियों को भुगतान करना था, लेकिन भुगतान की एवज में दोनों कंपनियों ने चेक दिए। चेक बैंक में लगाए तो वह बाउंस हो गए। धनराशि का भुगतान न काने पर दो कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

एसीपी दीक्षा सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सेक्टर-122 की महिलाओं ने मनाई हरियाली तीज

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय परंपरा को कायम रखते हुए सेक्टर-122 में हरियाली तीज मनाई गई। इस बार भारतीय वस्त्र—साड़ी विद ए स्टाइल थीम रखी गई, जिससे महिलाएं विविध प्रकार से साड़ी पहने '16 सिंगार' में नजर आई।

कार्यक्रम में सेक्टर की महिलाओं ने उत्साह, उमंग व भक्तिभाव के साथ भाग लिया। अलग-अलग सावन के गानों पर नृत्य किया एवं सावन के पावन मास में शिव नृत्य भी किया गया। एक ससामाजिक नाटक भी किया गया जिसका उद्देश्य संस्कारों का महत्व समझाना था।

प्रोग्राम में मेंहदी, डीजे, गेम्स, झूला खान पान और बहुत सारे उपहार भी दिए गए। करीब 160 से अधिक महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में अनेक तरह के स्टॉल्स भी लगाए गए जैसे गारमेंट्स, ज्वेलरी, हाथ से बनी राखी इत्यादि।

आयोजन की मुख्य संचालिका आरडब्लूए, उपाध्यक्ष, स्वाति अग्रवाल थी। सभी महिलाओं का स्वागत व सम्मान स्वाति अग्रवाल और सपना वर्मा ने उपहार दे कर किया।

विधायक से मिला नोवरा प्रतिनिधिमंडल,रखी समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन (नोवरा) का एक प्रतिनिधिमंडल नोएडा विधायक पंकज सिंह से मिला। इस दौरान उन्होंने भंगेल से अगाहपुर तक निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के नीचे पड़ने वाले गाँवों की समस्याओं पर चर्चा की और मांगपत्र दिया। इस दौरान एलिवेटेड रोड के नीचे हो रही नारकीय स्तिथि के बारे में विधायक को अवगत करवाया गया।

संस्था के अध्यक्ष रंजन तोमर ने कहा कि नोएडा की प्रमुख ग्रामीण मार्केटों में शामिल भंगेल तथा सलारपुर जैसी मार्किट और बरोला की मार्किट में पार्किंग की सुविधा नहीं है। ऐसे में एलिवेटेड रोड के नीचे पार्किंग का प्रावधान होना चाहिए। जिसमें नोएडा प्राधिकरण को भी पार्किंग के माध्यम से आय होगी और इन मार्केटों से मुंह मोड़ चुके ग्राहक वापस आएंगे।

विधायक पंकज सिंह ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी आर पी सिंह को फ़ोन पर निर्देशित किया के वह जल्द से जल्द इन समस्याओं का निस्तारण करवाएं। इसके आलावा पार्किंग जैसे मुद्दों पर सम्बंधित अधिकारियों को भी निर्देशित करने की बात पंकज सिंह ने नोवरा प्रतिनिधिमंडल से की। इस दौरान संस्था के उपाध्यक्ष अजय चौहान और महासचिव पुनीत राणा मौजूद रहे।